RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 145 | जयपुर, गुरूवाड़ा, चित्तौड़गढ़ मंगलवार, 24 नवम्बर 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

▶ रिहायशी इलाकों में अवैध कमर्शियल गतिविधि पर राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नगरीय निकायों के संरक्षण में ही फलते-फूलते हैं अवैध निर्माणः SC

पूरे देश में चल रही जनहित याचिकाओं के दायरे को किया सीमित, 6 जनवरी 2027 तक मांगे हलफनामे

● भोपाल, नई दिल्ली

रिहायशी इलाकों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों और निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण अक्सर नगर निकाय के अधिकारियों की मिलीभगत से ही फलते-फूलते हैं। कोर्ट ने राज्यों से भवन नियमों के पालन और नगर निकाय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर विस्तृत हलफनामे मांगे हैं। इसके लिए 6 जनवरी 2027 तक का समय दिया गया है।



लोगनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य मामले की सुनवाई जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने की। पीठ ने कहा कि नगर निकाय भवन निर्माण नियमों को लागू करने में विफल रहे हैं। अवैध निर्माण के बाद होने वाली जांच महज औपचारिकता बनकर रह गई है। पीठ ने सवाल किया कि बिना भ्रष्टाचार के कोई मकान एक दिन में होटल और दूसरे दिन मॉल कैसे बन सकता है? जस्टिस नागरत्ना ने यह भी पूछा कि क्या भवन निर्माण नियमों और भूमि उपयोग के उल्लंघन की कोई कीमत तय है? सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में लंबित जनहित याचिकाओं का दायरा सीमित करते हुए स्पष्ट किया कि किसी एक संपत्ति से जुड़े विवाद या निजी हित के मामले को व्यापक जनहित याचिका के तहत अनिश्चितकाल तक नहीं चलाया जा सकता। निजी राहत चाहने वाले लोग नगर निकाय ट्रिब्यूनल या संबंधित राज्य के हाई कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

न्याय मित्र ने बताई नौ त्रासदियां

सुनवाई के दौरान न्याय मित्र एके सिन्हा ने स्वीकृत नक्शे से हटकर निर्माण और रिहायशी कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस मामले से जुड़े घटनाक्रम के दौरान नौ त्रासदियां हुईं। इनमें दिल्ली की चार, लखनऊ और भोपाल की एक-एक घटना शामिल है। इन घटनाओं में करीब 100 लोगों की जान गई। सिन्हा ने दिल्ली और लखनऊ में आईआईटी के दो प्रोफेसरों की टीम की जांच का भी उल्लेख किया। उन्होंने आग्रह किया कि कानूनी चुनौतियों के बावजूद नगर निगम अधिकारियों को सीलिंग और तोडफ़ोड़ जैसी वैधानिक कार्रवाई जारी रखने दी जाए। साथ ही संपत्ति मालिकों के न्यायिक और अन्य संबंधित मंचों पर जाने के अधिकार को भी सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने तोडफ़ोड़ का कोई आदेश नहीं दिया है।

भोपाल में 8,084 प्रतिष्ठानों को नोटिस

भोपाल नगर निगम ने आवासीय क्षेत्रों में संचालित करीब 62 हजार 500 प्रतिष्ठानों की पहचान की थी। 15 दिवसीय अभियान के दौरान इनमें से 8,084 को नोटिस जारी किए गए। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में निगम की कार्रवाई रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कार्रवाई चुनिंदा तरीके से की गई। उन्होंने दावा किया कि सील की गई संपत्तियां दोबारा खोल दी गईं और प्रभावशाली उल्लंघनकर्ताओं को बचाया गया। स्थानीय निवासी इस मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर पीठ का रुख करने पर विचार कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि शहरी क्षेत्र साझा नागरिक संसाधन हैं। नियमों के उल्लंघन से सडक़, जल निकासी व्यवस्था, यातायात क्षमता और शहर के बुनियादी ढांचे पर असर पड़ता है। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 51(क) में उल्लिखित नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और 74वें संविधान संशोधन के तहत शहरी स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों का भी उल्लेख किया। राज्यों के जवाबों पर विचार के बाद मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी 2027 को होगी। विस्तृत लिखित आदेश आना बाकी है।

आठ साल से अटके 4534 पैक्स के चुनाव एक साल के लिए फिर टले

कैबिनेट का फैसला, जिला सहकारी बैंकों के चुनाव भी एक साल के लिए आगे बढ़े, 2018 में होना थे पैक्स के चुनाव

ढाई साल पहले हाईकोर्ट के निर्देश पर मतदान कार्यक्रम जारी हुआ पर चुनाव नहीं हो सके...

● भोपाल

मप्र सरकार ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) और जिला सहकारी बैंकों के चुनाव एक साल के लिए टालने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नई पैक्स समितियों के गठन और परिसीमन की प्रक्रिया के चलते यह फैसला किया गया है। चूंकि पैक्स के प्रतिनिधि ही जिला सहकारी बैंकों के चुनाव में मतदाता होते हैं, इसलिए बैंक चुनाव भी अब पैक्स चुनाव के बाद होंगे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, पैक्स के चुनाव 2018 में होना थे, लेकिन आठ साल से अलग-अलग कारणों से चुनाव लगातार टलते जा रहे हैं। प्रदेश में 4534 प्राथमिक सहकारी समितियां और 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और राज्य शीर्ष सहकारी बैंक है। सहकारी समितियों से करीब 66 लाख किसान जुड़े हैं।



कृषि मंडियों के चुनाव भी 2017 से अटके

प्रदेश में वर्ष 2012 में मंडी उपज समितियों के आखिरी बार चुनाव हुए थे। नियमानुसार 2017 में मंडियों के चुनाव होना थे, लेकिन अलग-अलग कारणों से मंडी चुनाव टलते जा रहे हैं। सरकार ने जनवरी, 2019 में मंडी समितियों को भंग कर दिया, तब से प्रशासनिक अधिकारी मंडियों के प्रशासक बने हुए हैं। इसको लेकर हाईकोर्ट में याचिका भी लग चुकी है। कृषि उपज मंडियों की संख्या 259 है। किसान मतदाताओं की संख्या करीब एक करोड़ 37 लाख है।

2013 में हुए थे पैक्स के आखिरी चुनाव

मप्र में पैक्स के आखिरी चुनाव 2013 में हुए थे। संचालक मंडल का कार्यकाल 2018 तक था। नियमानुसार कार्यकाल पूरा होने से छह माह पहले चुनाव कराने का प्रावधान है, लेकिन तत्कालीन शिवराज और कमलनाथ सरकार ने अलग-अलग कारणों से पैक्स के चुनाव टाल दिए। यह मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। दिसंबर, 2023 में हाईकोर्ट ने 10 मार्च, 2024 से पहले चुनाव कराने का आदेश दिया था, लेकिन प्रक्रिया शुरू होने के बाद भी चुनाव टल गए। बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर जून, 2024 में राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने चार चरणों में चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया। इसके अनुसार मतदान 26 जून से 9 सितंबर 2024 तक होना था, लेकिन सरकार ने अचानक चुनाव कार्यक्रम निरस्त कर दिया। तब से चुनाव नहीं हुए हैं। मार्च, 2025 में कानून में बदलाव कर विशेष परिस्थितियों में चुनाव आगे बढ़ाने और प्रशासक बनाए रखने का प्रावधान किया गया।

नौ जिला सहकारी बैंकों को मिलेगी 325 करोड़ की अंशपूंजी

कैबिनेट ने प्रदेश के 9 कमजोर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए अंशपूंजी सहायता के रूप में 325 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। रीवा, सतना, दतिया, शिवपुरी और जबलपुर के 5 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25-25 करोड़ रुपए की अंशपूंजी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही कैबिनेट ने 4 अन्य कमजोर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों- रायसेन, मुरैना, सागर और सीधी को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 50-50 करोड़ की अंशपूंजी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश

मोदी क्षेत्र के दूसरे सबसे प्रभावी नेता

● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स-2026 में भारत को एशिया का तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बताया गया है। भारत का कुल पावर स्कोर बढ़कर 40.5 अंक हो गया है, जो पिछले साल के मुकाबले 0.5 अंक अधिक है। इस सूची में अमेरिका 78.9 अंकों के साथ पहले और चीन 73.6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। जापान 38.6 अंकों के साथ चौथे और रूस 32.2 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। रिपोर्ट में भारत को प्रमुख शक्ति (मेजर पावर) का दर्जा दिया गया है। (शेष पेज 8 पर)

भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर भी बढ़कर 43.8 हुआ

भविष्य के संसाधनों के मामले में भारत को 56.2 अंक मिले हैं और वह इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर है। वहीं, रक्षा नेटवर्क में दो स्थान की बढ़त के साथ भारत नौवें स्थान पर पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ बढ़ते रक्षा सहयोग और ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री ने इस सुधार में योगदान दिया है। भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर भी बढ़कर 43.8 अंक हो गया है। संस्कृति, सूचना के आदान-प्रदान और लोगों के बीच संपर्क के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया गया है।

राजनीतिक दलों को एजेंडा उठाने से कैसे रोक सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट बोला- राजनीति रोकना हमारा काम नहीं, मामला सीजेआई को ट्रांसफर...

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को न्यायपालिका के खिलाफ राजनेताओं और अन्य लोगों की कथित टिप्पणियों से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल किया कि राजनीतिक दलों को अपना एजेंडा उठाने से कैसे रोका जा सकता है? अदालत ने याचिकाकर्ताओं से यह भी पूछा कि इस तरह के मुद्दों को संसद में क्यों नहीं उठाया जाता और इनके लिए कानून बनाने की पहल क्यों नहीं की जाती।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ दो वकीलों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि कुछ राजनेताओं, सांसदों और अन्य लोगों की टिप्पणियों से न्यायपालिका की गरिमा प्रभावित हो रही है और न्यायिक प्रक्रिया में बाधा



पहुंच सकती है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि मामला राजनीतिक दलों के एजेंडे से संबंधित नहीं, बल्कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्याय प्रशासन पर पडऩे वाले प्रभाव से जुड़ा है। उन्होंने विभिन्न नेताओं, सांसदों और एक पत्रकार के बयानों के साथ सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों का भी उल्लेख किया। इस पर पीठ ने सवाल किया कि यदि मामला राजनीतिक दलों से संबंधित नहीं है तो याचिका में अलग-अलग घटनाओं को एक साथ क्यों जोड़ा गया है?

ध्रुव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

नई दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली की साकेत अदालत ने सोमवार को यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला वर्ष 2018 का आपराधिक मानहानि मामले से जुड़ा है, जिसे विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडे ने भाजपा आईटी सेल पार्ट-2 शीर्षक वाले वीडियो को लेकर दायर किया था। अदालत ने राठी की लगातार अनुपस्थिति और वारंट की तामील नहीं होने के बाद यह आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई तीन दिसंबर को होगी।न्यायिक मजिस्ट्रेट अमन रईस खान ने यह आदेश जमानती वारंट जारी होने के बावजूद राठी या उनके वकील के अदालत में पेश नहीं होने पर दिया।



भाजपा आईटी सेल पार्ट-2 वीडियो से जुड़ा है मामला

बच्चों की कस्टडी में माता और पिता से ऊपर उनका कल्याण

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बच्चे कोई माता-पिता की संपत्ति या खिलौने नहीं हैं...

● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बच्चों की कस्टडी से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि ऐसे विवादों में माता-पिता के कानूनी अधिकारों से अधिक बच्चों का कल्याण सर्वोपरि है।

बच्चे माता-पिता की संपत्ति या खिलौने नहीं हैं। अदालतों को कस्टडी का फैसला करते समय बच्चों की भावनात्मक, मानसिक और विकास संबंधी जरूरतों को प्राथमिकता देनी चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दो नाबालिग बेटों की कस्टडी मां के पास बरकरार रखी और मद्रास हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर दिया। दोनों बच्चों की उम्र 16 और 14 वर्ष है। वे मई 2014 से अपनी मां के साथ रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पिता को बच्चों से नियमित मुलाकात का अधिकार भी दिया है। मामले के अनुसार, दंपती की शादी अगस्त 2009 में हुई थी और मई 2014 में दोनों अलग हो गए थे। (शेष पेज 8 पर)

बच्चों ने मां के साथ रहने की जताई इच्छा

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माता-पिता और बच्चों से बातचीत की। दोनों बेटों ने स्पष्ट मां के साथ रहने की इच्छा जताई। पीठ ने पाया कि मां ने अलगाव के बाद अकेले बच्चों की परवरिश की है और उनकी शिक्षा तथा देखभाल में कोई कमी नहीं रखी। बच्चों का अपनी मां के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। कस्टडी का फैसला केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि पिता प्राकृतिक अभिभावक हैं। अभिभावक नियुक्त करते समय बच्चे की उम्र, परिस्थितियों, पसंद, प्रस्तावित अभिभावक के चरित्र और उसकी देखभाल करने की क्षमता पर विचार करना जरूरी है।

रक्षा बलों और सीएपीएफ के 14 व्हाट्सएप ग्रुप में पाक एजेंटों ने की घुसपैठ

● नई दिल्ली / आरएनएन



- साइलेंट मेंबर बनकर चैट और दस्तावेजों पर रख रहे थे नजर
- सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के ऑडिट के दिए निर्देश

भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों की साइबर जासूसी की कोशिश का खुलासा किया है। पाक एजेंटों ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और रक्षा विभाग के नागरिक अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले करीब 13-14 निजी व्हाट्सएप ग्रुप में घुसपैठ की थी। इस खुलासे के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संबंधित ग्रुप और अन्य सोशल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म का व्यापक ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध एजेंट भारतीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर इन ग्रुपों में शामिल हुए थे। वे साइलेंट मेंबर के रूप में जुड़े रहते थे और ग्रुप में होने वाली बातचीत तथा साझा किए जाने वाले दस्तावेजों पर नजर रखते थे। सुरक्षा एजेंसियों ने इसे संवेदनशील सुरक्षा कार्यों में तैनात कर्मियों को निशाना बनाकर चलाया जा रहा लक्षित साइबर जासूसी अभियान बताया है।

खुशखबरी प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के पीएम बालेन शाह ने दिखाई हरी झंडी, पहले सफर में 1,158 यात्री हुए सवार

अयोध्या-जनकपुर के बीच शुरू हुई सरयू-कमला एक्सप्रेस

● अयोध्या

भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच सीधी रेल सेवा शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से सरयू-कमला एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम तक करीब 604 किलोमीटर की दूरी ट्रेन लगभग 19 घंटे में तय करेगी। आम यात्रियों के लिए इसका नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है।

अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन से रवाना हुई ट्रेन के पहले सफर में 1,158 यात्री सवार हुए। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। ट्रेन करीब साढ़े तीन घंटे का सफर तय कर गोरखपुर पहुंची। इसका निर्धारित समय शाम 5:10 बजे था, लेकिन यह करीब 20 मिनट पहले ही पहुंच गई। इसके बाद ट्रेन बिहार के विभिन्न स्टेशनों से होते हुए नेपाल के जनकपुर धाम के लिए रवाना हुई।



यूपी-बिहार के 10 स्टेशनों पर ठहराव

सरयू-कमला एक्सप्रेस का ठहराव अयोध्या धाम, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, शीशो, मधुबनी और जयनगर में होगा। जयनगर भारत में इसका अंतिम स्टेशन होगा। यहां यात्रियों के पहचान पत्र और जरूरी दस्तावेजों की जांच के बाद ट्रेन नेपाल में प्रवेश करेगी। यात्रियों को बीच में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन दोनों दिशाओं में चलेगी। 17 कोच वाले एलएचबी रैक में आठ वातानुकूलित, सात स्लीपर, एक सीटिंग सह लगेज और एक पावर कोच शामिल होगा। पहली यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने ट्रेन शुरू होने पर खुशी जताई। यात्रियों का कहना था कि सीधी रेल सेवा से दोनों देशों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इससे धार्मिक पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिल सकता है।

मोदी बोले- नेपाल के बिना हमारे राम और धाम अधूरे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के संबंध साझा इतिहास, आस्था और संस्कृति पर आधारित हैं। भगवान राम और माता सीता दोनों देशों की साझा सभ्यता और आस्था के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सरयू-कमला एक्सप्रेस की शुरुआत से इस पवित्र रिश्ते को नया आयाम मिलेगा। नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं और नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं। वहीं, बालेन शाह ने भारत-नेपाल के रिश्तों को हिमालय की तरह अडिग और समुद्र की तरह व्यापक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के रिश्तों को नया सुनहरा अध्याय देने की उम्मीद जताई। वहीं, बालेन शाह ने उन्हें नेपाल आने का न्योता दिया, जिसे मोदी ने स्वीकार कर लिया।

11 दिन बाद फिर एनवीडिया के सीईओ बने जेन्सन हुआंग



अमेरिकी अधिकारियों से चर्चा के बाद बोर्ड ने बदला अपना फैसला

● नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक जेन्सन हुआंग 11 दिन बाद फिर कंपनी के सीईओ और अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 12 नवंबर को इस्तीफा दिया था। इसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ बनाया गया था। कंपनी के निदेशक मंडल ने अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा और हुआंग के साथ कई दौर की बैठकों के बाद उनकी वापसी का फैसला किया। बोर्ड के अध्यक्ष हार्वे सी. जोन्स ने कहा कि कंपनी का नेतृत्व करने के लिए हुआंग सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं और उनकी वापसी शेयरधारकों, कर्मचारियों तथा ग्राहकों के हित में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बोर्ड के फैसले का स्वागत करते हुए कहा एनवीडिया और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की सफलता के लिए हुआंग का नेतृत्व जरूरी है।

18 साल के युवक ने रचा करोड़ों के साइबर फ्रॉड का चक्रव्यूह , 12वीं पास करण ने देश के 22000 लोगों को कैसे ठगा



नई दिल्ली, एजेंसी। उम्र महज 18 साल, लेकिन दिमाग ऐसा कि साइबर ठगी का पूरा नेटवर्क खड़ा कर दिया। एआई से सीखकर एपीके फाइल तैयार करने लगा और इसके जरिये इसने साइबर फ्रॉड का सबसे बड़ा चक्रव्यूह रच दिया, जिसमें 22 हजार से अधिक लोग फंस गए।

17 ठगों को यूपी, झारखंड, बंगाल और बिहार से दबोचा: गोरखपुर के बारहवीं पास करण कुमार ने एक और डेवलपर आजमगढ़ निवासी हर्ष सिंह को अपने साथ मिलाया। इसके बाद ठगी का ऐसा जाल बिछाना शुरू कर दिया, जिसके जरिये 22 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी को अंजाम दिया गया। लेकिन दिल्ली पुलिस की पश्चिमी जिले की साइबर टीम ने ऐसा ऑपरेशन चलाया, जिसने चक्रव्यूह को न सिर्फ भेद दिया बल्कि इन दोनों के साथ तीन डिस्ट्रीब्यूटर और 17 ठगों को भी उत्तर प्रदेश के अलावा झारखंड, बंगाल और बिहार से दबोच लिया।

नामी कंपनियों के एपीके करते थे तैयार: इस गिरोह के पर्दाफाश से पहली बार ऐसी कहानी सामने आई जो बताती है कि साइबर ठगी का गोरखधंधा कितना संगठित होकर चल रहा है। एक निजी कंपनी के प्रोडक्ट को लोगों तक पहुंचाने के लिए जिस तरह से सप्लाई चेन काम करती है, ठीक उसी तरह से ये गिरोह भी काम कर रहा था। सबसे पहले डेवलपर ऐसे एपीके तैयार करते थे, जो देखने में किसी असली एप की तरह लगते थे। इनमें आईजीएल, ई-चालान और बैंकिंग एप जैसे नामों और टेम्पलेट का इस्तेमाल किया जाता था।

डिस्ट्रीब्यूटर अलग-अलग राज्यों में एपीके फाइल साइबर ठगों को देते : इसके बाद इन एपीके फाइल को डिस्ट्रीब्यूटर तक पहुंचाया जाता था। डिस्ट्रीब्यूटर इन्हें अलग-अलग राज्यों में बैठे साइबर ठगों को उपलब्ध कराते थे। ठग अलग-अलग बहानों से लोगों को ये एपीके फाइल इंस्टाल करने के लिए प्रेरित करते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति अपने मोबाइल में ऐसी फाइल इंस्टाल करता था, आरोपितों को उसके बैंकिंग क्रेडेंशियल तक अनधिकृत पहुंच मिल जाती थी। इसके बाद बैंक खाते से रकम निकालकर दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दी जाती थी।

डेवलपर की गिरफ्तारी से सामने आया नेटवर्क : पुलिस की जांच में करण कुमार की भूमिका मुख्य रूप और सबसे पहले सामने आई। उसने मुख्य एपीके फाइल और उसके टेम्पलेट तैयार किए थे। इसके बाद 24 वर्षीय हर्ष सिंह की गिरफ्तारी हुई। इन दोनों डेवलपर की गिरफ्तारी इस पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने में अहम साबित हुई।

पुलिस कैसे पहुंची गिरोह तक?: पुलिस ने इस नेटवर्क तक पहुंचने के लिए पिछले तीन महीनों में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर दर्ज एक हजार से अधिक एपीके धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतों का विश्लेषण किया। जांच के दौरान 20 से अधिक ऐसे मामले सामने आए, जिनमें ठगी का तरीका एक जैसा था। फिर पुलिस ने अलग-अलग नामों से इस्तेमाल की जा रही 32 एपीके फाइल का फोरेंसिक विश्लेषण किया। इनकी कोडिंग और डेवलपर के बीच संबंध तलाशे गए। टेलीग्राम पर सक्रिय 56 से अधिक संदिग्ध प्रोफाइल की पड़ताल की गई। डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस डेवलपर तक पहुंची और फिर उनके जरिये डिस्ट्रीब्यूटर तथा साइबर ठगों की पहचान की गई। जांच में पता चला कि इस नेटवर्क के तहत 11 अलग-अलग साइबर ठग समूह सक्रिय थे।

संक्षिप्त समाचार

बिना आरोप बताए कैसे रद्द किया ओसीआई कार्ड? अमृत विल्सन के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब



नई दिल्ली, एजेंसी। यूके में रहने वाली लेखिका और पत्रकार अमृत विल्सन का ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड रद करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार के आदेश पर सवाल उठाया है।

न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के आदेश में, उन पर लगाए गए भारत-विरोधी कामों का कोई जिक्र नहीं है और इस वजह से उन्हें इन आरोपों का जवाब देने का मौका ही नहीं मिल पाया। पीठ ने कहा कि ओसीआई कार्ड रद करने की प्रक्रिया में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया। अदालत ने कहा कि न तो कारण बताओ नोटिस में और न ही कार्ड रद करने के आदेश में भारत विरोधी कामों के बारे में कोई ठोस जानकारी दी गई। अदालत ने केंद्र सरकार को ताजा कारण बताओ नोटिस जारी कर ओसीआई कार्ड रद करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दे। पीठ ने कहा कि इस पर अमृत विल्सन का जवाब दाखिल करने पर केंद्र सरकार ताजा आदेश जारी करे। विल्सन ने याचिका दायर कर 17 मार्च 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। इसके तहत नागरिकता अधिनियम की धारा सात डी(ई) के तहत उनका ओसीआई कार्ड रद कर दिया गया था। विल्सन का जन्म भारत में हुआ था और वह 1961 तक यहीं रहीं। इसके बाद वह उच्च शिक्षा के लिए यूके चली गईं थीं। उन्होंने अपना भारतीय पासपोर्ट सरेंडर कर दिया और 2009 में ब्रिटिश पासपोर्ट ले लिया। पीठ ने कहा कि नागरिकता अधिनियम की धारा सात बी के तहत याचिकाकर्ता के अधिकारों को, उन पर लगे आरोपों का जवाब देने का उचित मौका दिए बिना, छीना नहीं जा सकता।

दिल्ली के जाफराबाद में युवक को अगवा कर चाकू से हमला करने वाले दो शातिर गिरफ्तार, एक फरार



नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में पुरानी रंजिश के चलते युवक को अगवा कर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अब्बास उर्फ छमिया और समीर के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल पेपर कटर भी बरामद कर लिया है। मामले में तीसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे असलम राशिद बिरयानी के पास जाफराबाद में मौजूद था। इसी दौरान बाइक पर अब्बास उर्फ छमिया, समीर उर्फ बाबू और शाकिर पहुंचे। जांच में पता चला कि तीनों असलम को पहले से जानते थे और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। अब्बास ने करीब डेढ़ साल पहले ब्लेड से हमला करने की पुरानी रंजिश को लेकर उसे धमकी दी। असलम ने वहां से भागने का प्रयास किया, लेकिन तीनों ने उसे पकड़ लिया। अब्बास ने उसकी गर्दन पर चाकू लगा दिया, जबकि बाकी दोनों उसे जबरन बाइक पर बैठाकर ब्रह्मपुरी की गली नंबर 21 ले गए। वहां तीनों ने मिलकर असलम पर चाकू से हमला कर दिया। उसके गर्दन, हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई चोटें आईं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल किसी राहगीर की मदद से जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचा, जहां से उसे जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया। इस मामले में जाफराबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने जांच के दौरान मोहम्मद अब्बास उर्फ छमिया को 20 नवंबर और समीर को 22 नवंबर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है।

दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण की खुली पोल, लैंडफिल पर 52 लाख टन से ज्यादा कचरा; 94 प्रतिशत लक्ष्य अधूरे



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार की ओर से बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन पर किए गए काम की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के प्रदूषण नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट कार्ड में राजधानी की तैयारियों की कई गंभीर खामियां सामने आई हैं।

कूड़े के पहाड़ों का निस्तारण हो या नई कचरा प्रसंस्करण क्षमता तैयार करना, सड़कों की धूल रोकने के इंतजाम हों या पार्किंग की समस्या से निपटना, कई अहम मोर्चों पर दिल्ली निर्धारित लक्ष्य से काफी पीछे है।

कचरा प्रबंधन कार्य चिंताजनक: सबसे चिंताजनक स्थिति ठोस कचरा प्रबंधन की है। दिल्ली में साल 2026 के दौरान कचरा प्रसंस्करण क्षमता प्रतिदिन 650 टन बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 31 अक्टूबर तक इसमें एक टन की भी बढ़ोतरी नहीं हुई।

यानी उपलब्धि शून्य रही। इसी तरह तीनों लैंडफिल साइटों पर जमा पुराने कचरे के निस्तारण का काम भी लक्ष्य से काफी पीछे है। ओखला में 67 प्रतिशत, भलस्वा में 57 प्रतिशत और गाजीपुर में केवल 42 प्रतिशत कचरे का ही निस्तारण हो पाया है।

रिपोर्ट कार्ड में दिल्ली के लिए निर्धारित 29 कार्यों के तहत अलग-अलग क्षेत्रों में लक्ष्य और उपलब्धियों का ब्योरा दिया गया है। इसमें वाहनों से होने वाले प्रदूषण, औद्योगिक उत्सर्जन, सड़क की धूल, कचरा प्रबंधन, निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे और अन्य प्रदूषण स्रोतों पर नियंत्रण के प्रयास शामिल हैं। आयोग ने राज्यों और दिल्ली सरकार को शेष अवधि में काम तेज करने का अवसर दिया है।

तीनों लैंडफिल पर 52 से 58 लाख टन कचरा निस्तारण बाकी: दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों की स्थिति रिपोर्ट में सबसे गंभीर तस्वीर पेश करती है। ओखला लैंडफिल पर 27.45 लाख टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य था, लेकिन 18.26 लाख टन ही हटाया जा सका। यहां अभी 9.19 लाख टन का अंतर बाकी है। भलस्वा में 48.42 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 27.49 लाख टन कचरा हटाया गया।

यहां 20.93 लाख टन का काम बाकी है। वहीं गाजीपुर में 39.12 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले 16.53 लाख टन कचरे का निस्तारण हुआ है। यहां 22.59 लाख टन का अंतर है। तीनों लैंडफिल साइटों पर कुल 114.99 लाख टन कचरे के निस्तारण का लक्ष्य था, जबकि 62.28 लाख टन हटाया जा सका। इस तरह 52.71 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है।

पार्किंग के 94 प्रतिशत लक्ष्य अधूरे: वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पार्किंग व्यवस्था में सुधार भी दिल्ली की बड़ी चुनौती बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में 266 पार्किंग स्थल विकसित करने का लक्ष्य था, लेकिन 31 अक्टूबर तक केवल 15 ही तैयार हो पाए। यानी लक्ष्य का महज छह प्रतिशत हासिल हुआ है और 251 पार्किंग स्थलों का काम बाकी है।

सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए 2,395 सिटी बसें बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके मुकाबले 1,703 बसें ही बढ़ाई जा सकीं। उपलब्धि 71 प्रतिशत रही। हालांकि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने का लक्ष्य दिल्ली ने पार कर लिया। पांच हजार के लक्ष्य के मुकाबले छह हजार स्टेशन दर्ज किए गए।

सड़क की धूल रोकने के इंतजाम भी अधूरे: सड़कों की धूल दिल्ली में प्रदूषण का बड़ा कारण है। इसके नियंत्रण के लिए बड़े आकार की मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों (एमआरएसएम) की संख्या 35 करने का लक्ष्य था, लेकिन 19 ही उपलब्ध हो पाईं। मध्यम आकार की 57 मशीनों के लक्ष्य के मुकाबले केवल एक मशीन की उपलब्धता दर्ज की गई। यानी इस श्रेणी में लक्ष्य का महज दो प्रतिशत ही हासिल हुआ।

हालांकि छोटे आकार की मशीनों के मामले में चार के लक्ष्य के मुकाबले चारों मशीनें उपलब्ध बताई गई हैं। इससे साफ है कि सड़क की धूल पर नियंत्रण के लिए जरूरी मशीनरी की उपलब्धता में भी एकरूपता नहीं है।

उद्योगों के निरीक्षण में बेहतर, लेकिन कचरा प्रबंधन में शून्य: रिपोर्ट कार्ड में दिल्ली की कुछ उपलब्धियां भी दर्ज हैं। औद्योगिक इकाइयों के निरीक्षण का लक्ष्य 979 था, जबकि 1,609 निरीक्षण किए गए। ऑनलाइन उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण (एपीसीडी) लगाने के मामले में भी निर्धारित लक्ष्य पूरा किया गया। वहीं डीजल जनरेटर सेट के 539 निरीक्षणों के लक्ष्य के मुकाबले 1,296 निरीक्षण किए गए। निर्माण एवं तोड़फोड़ से निकलने वाले मलबे के प्रसंस्करण की क्षमता प्रतिदिन एक हजार टन करने का लक्ष्य भी पूरा किया गया। लेकिन इस मलबे का सरकारी और निजी एजेंसियों की ओर से उपयोग काफी कम रहा। सरकारी एजेंसियों के लिए निर्धारित 9.90 लाख टन से अधिक के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.07 लाख टन मलबे का उपयोग हुआ। निजी एजेंसियों के लिए 12.09 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले करीब 3.08 लाख टन का उपयोग दर्ज किया गया। प्रदूषण कम करने के लिए हरित शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य भी पूरा नहीं हुआ। दिल्ली में 49, हरियाणा में 196, राजस्थान में 53 और उत्तर प्रदेश में 123 हरित शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य निर्धारित था, लेकिन 31 अक्टूबर तक चारों राज्यों में एक भी तैयार नहीं हुआ। कुल 421 हरित शवदाह गृहों के लक्ष्य के मुकाबले उपलब्धि शून्य रही।

जनवरी में जारी होगा अंतिम रिपोर्ट कार्ड: सीएक्यूएम ने वर्ष 2026 के जनवरी से अक्टूबर तक की उपलब्धियों के आधार पर यह रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि राज्यों और दिल्ली सरकार के पास शेष वर्ष में अपने प्रयास तेज कर स्थिति सुधारने का अवसर है। वर्ष 2026 का अंतिम रिपोर्ट कार्ड जनवरी 2027 में जारी किया जाएगा। %एमसीडी लगातार वायु प्रदूषण के कारकों की पहचान कर उसमें सुधार का कार्य कर रही है। नई 1000 मशीनें सफाई के लिए लगाई गई है। पार्किंगों के निर्माण और कच्चे पार्किंग स्थल को पक्का करने के लिए भी काम जारी है। हमारी पूरी कोशिश होती है कि धूल न उड़े इसके लिए जो-जो कारक है उनको खत्म किया जाए।

कश्मीरी गेट आईएसबीटी से 2100 किमी दूर बेंगलुरु पहुंचा 55 लाख के गहनों वाला बैग, दिल्ली पुलिस ने दिलाया वापस

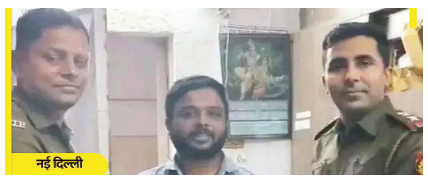

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीरी गेट आईएसबीटी पर नियमित सुरक्षा जांच के दौरान हुई अदला-बदली के बाद 55 लाख रुपये के सोने के गहनों से भरा बैग करीब 2,100 किलोमीटर दूर बेंगलुरु पहुंच गया, जिसे दिल्ली पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर उसके मालिक को लौटा दिया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने 12 नवंबर को बताया था कि बस टर्मिनल के प्रवेश द्वार पर एक्स-रे मशीन के पास गलती से किसी और का बैग उठ गया था। यह गहने उसकी बहन की शादी के लिए रखे गए थे।

बैग में क्या-क्या सामान था?: पुलिस के मुताबिक, काले रंग के उस बैकपैक में कपड़े, सोने के गहने, एक आधार कार्ड, एक चार्जर और लगभग 9,000 रुपये नकद रखे हुए थे। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और मामले की छानबीन शुरू की।

जांच में ऐसे खुला राज और बेंगलुरु तक पहुंची टीम: मामले की पड़ताल के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, विभिन्न बस मार्गों की जांच की, बस टिकटों का सत्यापन किया और वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण किया। इसी कड़ी में एक संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधि सामने आई और अधिकारियों ने उसकी बस यात्रा का पता लगाया, जो बेंगलुरु से जुड़ी हुई थी। वित्तीय विश्लेषण और तकनीकी निगरानी के जरिए संदिग्ध को बेंगलुरु में ट्रेस किया गया, जिसकी पहचान रुद्रप्रयाग के रूप में हुई।

सुरक्षित लौटाया गया सारा सामान: पूछताछ में संबंधित व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि बैग की अदला-बदली का अहसास होने पर उसने पीसीआर कॉल करने की कोशिश की थी, लेकिन तब तक वह दिल्ली से निकल चुका था और कॉल दिल्ली कंट्रोल रूम से जुड़ नहीं सकी। पुलिस के अनुसार, उसने बैग को सुरक्षित रखा था और सभी कीमती सामान के साथ उसे वापस कर दिया गया।

यमुनापार में दम घोंट रही टूटी सड़कों की धूल, फेल हो रहे प्रदूषण नियंत्रण के दावे



नईदिल्ली, एजेंसी। यमुनापार में प्रदूषण कम करने के दावे तो खूब किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। कहीं सड़कें टूटी पड़ी हैं तो कहीं किनारों पर मिट्टी के ढेर जमा हैं। इन सड़कों से गुजरते वाहनों के साथ धूल के गुबार उठ रहे हैं और तेज हवा चलने पर यही मिट्टी आसपास के वातावरण में फैल रही है। स्वामी दयानंद मार्ग से लेकर नंद नगरी, दिलशाद गार्डन और कड़कड़डूमा तक यही स्थिति है। सड़कों की धूल तक नहीं थम रही तो प्रदूषण पर लगाम लगाने के दावों पर सवाल उठ रहे हैं।

कहां-कहां टूटी हैं सड़कें: स्वामी दयानंद मार्ग पर सड़क के किनारे जगह-जगह मिट्टी जमा है। सफाई के अभाव में यह मिट्टी सूखकर धूल बन जाती है और हवा के साथ उड़ती रहती है। सड़क से गुजरने वाले वाहनों के कारण भी धूल का गुबार उठता है। नंद नगरी में कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के पास सड़क टूटी हुई है। यहां वाहन गुजरने के दौरान सड़क की उखड़ी सतह से धूल उड़ती है। आसपास आवासीय क्षेत्र और लोगों की आवाजाही होने से समस्या और बढ़ जाती है। दिलशाद गार्डन औद्योगिक क्षेत्र के पास भी सड़क की हालत ठीक नहीं है। सड़क पर जगह-जगह टूट-फूट होने से वाहनों के गुजरने के साथ धूल उड़ती है। वहीं कड़कड़डूमा के पास सड़क और फुटपाथ के क्षतिग्रस्त हिस्सों से भी धूल फैल रही है।

फुटपाथ की खराब हालत से लोग परेशान: फुटपाथ की हालत खराब होने और सड़क किनारे मिट्टी जमा रहने से पैदल चलने वालों को भी परेशानी होती है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए सड़कों की नियमित सफाई के साथ उनकी मरम्मत और किनारों पर जमा मिट्टी हटाना जरूरी है। टूटी सड़कें और खुले हिस्सों में जमा धूल वाहनों की आवाजाही के साथ दोबारा हवा में पहुंचती है।

ऐसे में केवल पानी छिड़कने या सफाई अभियान चलाने के बजाय सड़क की बदहाल सतह को दुरुस्त करने और नियमित रखरखाव पर ध्यान देना भी जरूरी है।

छिड़काव को नहीं हो रहा असर: तमाम क्षेत्रों में पानी की छिड़काव तो किया जा रहा है लेकिन धूल इतनी अधिक है कि यह प्रयास भी पूरी तरह से फेल नजर आ रहा है। खास तौर पर कालोनियों के अंदरूनी मुख्य मार्गों की मरम्मत के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। मुख्य मार्गों की तो मरम्मत कर दी जाती है लेकिन सर्विस रोड के हालात खराब हैं। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि टूटी सड़कों को चिह्नित किया गया है।

चार साल से बैन, फिर भी बाजार में प्लास्टिक ही प्लास्टिक; दिल्ली में धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के खिलाफ कार्रवाई का असर जमीन पर नहीं दिख रहा है।

कागज पर नगर निगम भी सख्त है, प्रदूषण नियंत्रण समिति भी। अभियान चलते हैं, छापे पड़ते हैं, चालान भी कटते हैं, फिर भी साप्ताहिक बाजारों से लेकर सब्जी मंडियों, जूस की दुकानों और रेहड़ी-पटरियों तक प्लास्टिक के थैले, कप, गिलास, स्ट्रा और चम्मच जैसे उत्पाद इस्तेमाल हो रहे हैं।

केंद्र सरकार की ओर से प्रतिबंध लागू किए जाने के चार साल बाद भी यदि ये उत्पाद बाजारों में आसानी से उपलब्ध हैं, तो सवाल सिर्फ नियम तोड़ने वालों का नहीं, बल्कि प्रतिबंध लागू कराने वाली व्यवस्था का भी है। यदि दुकानदारों से प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया जाता है, लेकिन उसकी आपूर्ति करने वाले निर्माता एवं स्टाकिस्ट कारोबार जारी रखते हैं, तो समस्या की जड़ पर चोट नहीं हो पाती। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिक छापेमारी होती है। इसके बाद कारोबार दोबारा शुरू हो जाने और कथित अवैध वसूली की शिकायतों की भी जांच जरूरी है। क्या कार्रवाई के बाद संबंधित इकाइयों की दोबारा जांच होती है? कितनी इकाइयों के खिलाफ चालान, जब्ती, सीलिंग या अभियोजन की कार्रवाई हुई? कार्रवाई के नाम पर वसूली के आरोप सही हैं या नहीं, इसका पता भी पारदर्शी रिकॉर्ड व शिकायतों की जांच से ही चल सकता है। प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल जारी रहने के पीछे सुविधाजनक और सस्ता होने का पहलू भी है। छोटे दुकानदारों के लिए प्लास्टिक के थैलों का विकल्प अपनाना महंगा पड़ सकता है।



दिल्ली में लापता हुए दो बच्चे सकुशल मिले, पुलिस ढाई साल के मासूम को कुछ घंटों में खोज निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तर जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत दो अलग-अलग मामलों में लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को सकुशल तलाश कर उनके परिवारों से मिला दिया। इनमें 15 वर्षीय किशोरी और महज ढाई साल का मासूम बच्चा शामिल है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से दोनों परिवारों ने राहत की सांस ली है।

एएचटीयू की टीम ने लगातार प्रयास किए: पुलिस के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त-प्रथम लोकेश्वरन आर. के मार्गदर्शन और एएचटीयू प्रभारी इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार की निगरानी में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की टीम ने थाना बवाना पुलिस के साथ समन्वय कर दोनों बच्चों की तलाश की।

पहले मामले में शाहबाद दौलतपुर निवासी 15 वर्षीय किशोरी के लापता होने की शिकायत मिली थी। इस संबंध में थाना शाहबाद डेयरी में 20 नवंबर 2026 को एफआईआर दर्ज की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एएचटीयू की टीम ने लगातार प्रयास किए और किशोरी को तलाशने में सफलता हासिल की।

कुछ ही घंटों में बच्चे का पता लगा लिया: इसके बाद उसे सुरक्षित परिजनों के हवाले कर दिया। दूसरे मामले में थाना बवाना पुलिस को ढाई साल के बच्चे के लापता होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और बच्चे की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों के त्वरित प्रयासों के चलते कुछ ही घंटों में बच्चे का पता लगा लिया गया। उसे सुरक्षित उसके परिवार से मिलवा दिया गया।



लापता बच्चों की तलाश तेजी से जारी: दोनों बच्चों को तलाशने के लिए एएचटीयू बाहरी उत्तर जिला की टीम से हेड कांस्टेबल अमित, महिला हेड कांस्टेबल सुमन और महिला हेड कांस्टेबल सीमा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं थाना बवाना से हेड कांस्टेबल अमित और हेड कांस्टेबल विकास भी टीम में शामिल रहे।

खेत में रेत खनन का विरोध पड़ा भारी, 25-30 लोगों ने घर पर बोला धावा; पत्नी का हाथ तोड़ा!

दीवार फांदकर घर में घुसे हमलावर, महिला-बच्चों से मारपीट का आरोप; रात 2 बजे तक घर के बाहर मचाते रहे उत्पात, पीड़ित फोन पर पुलिस से मांगता रहा मदद,पर मौके नहीं पहुंची पुलिस

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा.पुनीत चपलोत/ खेत में कथित अवैध रेत खनन का विरोध करने पर उपजे विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोप है कि रंजिश के चलते 25 से 30 लोगों ने एकराय होकर रात में परिवार के घर पर धावा बोल दिया। हमलावर दीवार फांदकर घर में घुसे और महिला व बच्चों के साथ मारपीट की। हमले में पीड़ित की पत्नी का हाथ टूट गया। आरोप है कि हमलावर देर रात करीब दो बजे तक घर के बाहर डटे रहे और परिवार को दहशत में रखा। इस दौरान पीड़ित परिवार पुलिस और कंट्रोल रूम से मदद की गुहार लगाता रहा, लेकिन सहायता नहीं मिलने का आरोप लगाया है। सोमवार को पीड़ित दंपती



पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और एसपी को परिवाद सौंपकर आरोपियों की गिरफ्तारी तथा परिवार को सुरक्षा देने की मांग की।

खेत में रेत खनन रोकने पर शुरू हुआ विवाद

फूलियाकलां थाना क्षेत्र के बड़ला गांव निवासी शंभूलाल मीणा ने परिवाद में बताया कि 22 नवंबर को शाम करीब चार बजे वह अपने खेत पर गया था। वहां कुछ लोग खेत के ढावे पर कथित रूप से अवैध रेत खनन कर रहे थे। इससे उसकी जमीन का कटाव हो रहा था। शंभूलाल ने अपनी जमीन बताते हुए खनन बंद करने को कहा तो विवाद हो गया। आरोप है कि खनन कर रहे लोगों ने ओमप्रकाश मीणा सहित अन्य लोगों को फोन कर मौके पर बुला लिया। इसके बाद पहुंचे लोगों ने उसके साथ मारपीट की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने वह फूलियाकलां थाने चला गया।

दीवार फांदकर घर में घुसे 30 लोग, पत्नी-बच्चों को पीटा

पीड़ित के अनुसार, उसके थाने जाने के बाद शाम करीब 6 से 7 बजे ओमप्रकाश और गोविंद सहित नामजद आरोपी तथा उनके साथ आए करीब 25 से 30 लोगों ने घर पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावर दीवार फांदकर घर में घुसे और उसकी पत्नी व बच्चों के साथ मारपीट करते हुए तोड़फोड़ की। इस दौरान पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे उसका हाथ टूट गया। हमले में घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देर रात तक घर के बाहर डटे रहे हमलावर, फोन पर मांगते रहे मदद

शंभूलाल ने आरोप लगाया कि हमलावर रात करीब दो बजे तक घर के आसपास हंगामा करते रहे और बाहर जमे रहे। पूरा परिवार दहशत में रहा। पीड़ित का बेटा लगातार 100 और 112 नंबर पर फोन कर पुलिस से मदद मांगता रहा। शंभूलाल ने भी पुलिस और कंट्रोल रूम को कई बार फोन किए, लेकिन कोई सहायता मौके पर नहीं पहुंची। पीड़ित के मुताबिक, फूलियाकलां थाने में फोन करने पर उसे कथित तौर पर बताया गया कि सरपंच से बात हो गई है। पीड़ित ने घटना के वीडियो फुटेज, पुलिस अधिकारियों से बातचीत की कॉल डिटेल और वॉयस रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध कराने की बात कही है।

सरपंच चुनाव की रंजिश में हमले की आशंका

पीड़ित ने हमले के पीछे सरपंच चुनाव की रंजिश होने की आशंका जताई है। उसका कहना है कि उसने हाल ही में सरपंच का चुनाव लड़ा था, जिसके बाद से वर्तमान सरपंच और कुछ लोगों से उसकी रंजिश चल रही है। इसी के चलते परिवार को निशाना बनाया गया। दंपती ने एसपी से नामजद आरोपियों सहित अन्य हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी करने, परिवार को सुरक्षा देने और फूलियाकलां थाना पुलिस की भूमिका की जांच कराने की मांग की है।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की दर्दनाक मौत, हाथ पर लिखे नाम से हुई पहचान

रायला रेलवे फाटक के आउटर पर हुआ हादसा, मानसिक रूप से अस्वस्थ थे मृतक; पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा

स्मार्ट हलचल



रायला। रायला चौराहे के समीप रेलवे फाटक के आउटर पर रविवार रात हैदराबाद ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना ट्रेन के लोको पायलट ने रायला रेलवे स्टेशन पर दी। सूचना मिलते ही रेलवे स्टेशन के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को रायला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शुरुआत में नहीं हो पाई थी। उनके हाथ पर नाम लिखा होने के आधार पर पहचान रमेशचंद्र टेलर पुत्र कल्याणमल, उम्र 65 वर्ष निवासी छीपा का मोहल्ला, रायला के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि रमेशचंद्र रविवार शाम करीब 4:30 बजे घर से निकले थे। वे पिछले कई वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ थे। घटना की जानकारी मिलने पर रायला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद मोहल्ले में शोक की लहर छा गई।

कोठाज-दातड़ा चौराहे के बीच दर्दनाक सड़क हादसा, फलासेड के दो युवकों की मौत से क्षेत्र में पसरा मातम

छप्पन भोग महोत्सव की भजन संध्या में शामिल होने आ रहे थे कन्हैयालाल गुर्जर और रामपाल गुर्जर, अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ हादसा

स्मार्ट हलचल



आकोला क्षेत्र में बीती रात एक बेहद दुखद और हृदयविदारक सड़क हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। कोठाज और दातड़ा चौराहे के बीच अज्ञात वाहन की टक्कर से फलासेड निवासी दो युवकों कन्हैयालाल गुर्जर एवं रामपाल गुर्जर का दर्दनाक निधन हो गया। हादसे की खबर मिलते ही फलासेड सहित आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों युवक कोठाज में आयोजित 38वें विशाल छप्पन भोग महोत्सव के तहत चल रही रात्रि भजन संध्या में शामिल होने के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कोठाज और दातड़ा चौराहे के बीच वे सड़क हादसे का शिकार हो गए। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से यह दुर्घटना हुई। हालांकि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और टक्कर मारने वाला वाहन कौन-सा था, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। एक धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए घर से निकले दोनों युवकों की असमय मौत की खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। जिस महोत्सव में भक्ति और भजनों की गूंज सुनाई दे रही थी, वहीं इस दुखद घटना की खबर से माहौल गमगीन हो गया। दो युवकों की एक साथ हुई मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है और हर आंख नम है।

सर्किट हाउस रोड की बदहाली पर कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन

फूटा ढोल लेकर सड़क पर उतरे कांग्रेस नेता, अमृत-2 योजना की बदहाली पर जताया विरोध

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा। शहर के पश्चिमी क्षेत्र को पूर्वी क्षेत्र से जोड़ने वाली प्रमुख सर्किट हाउस रोड की बदहाली और अमृत-2 योजना के तहत चल रहे सीवरेज कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने अनूठे अंदाज में विरोध जताया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) सदस्य मनोज पालीवाल फूटा ढोल लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से फूटे ढोल के जरिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अमृत-2 योजना शहरवासियों के लिए वरदान बनने के बजाय परेशानी का कारण बन गई है। पालीवाल ने कहा कि सर्किट हाउस रोड पिछले करीब एक साल से बंद पड़ी है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस समस्या की ओर नहीं जा रहा है। सड़क पर जगह-जगह खुदाई के बाद कच्चा रास्ता छोड़ दिया गया है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है। गांधी नगर और बसंत विहार क्षेत्र के लोग उड़ती धूल और मिट्टी से परेशान हैं। उनका आरोप है कि दीपावली जैसे त्योहार पर भी लोगों को धूल के गुबार के बीच रहने को मजबूर होना पड़ा। घरों तक धूल पहुंचने से सांस संबंधी परेशानियां भी बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीवरेज कार्य के दौरान निर्धारित नियमों की पालना नहीं की जा रही है। खुदाई के बाद सड़क की तत्काल मरम्मत, धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव और पूरी चौड़ाई में सड़क निर्माण जैसे प्रावधानों की अनदेखी की जा रही है। सीवरेज का काम निर्धारित अवधि पूरी होने के बावजूद अधूरा पड़ा है। पालीवाल ने कहा कि सर्किट हाउस रोड से आला अधिकारी, विधायक और सांसद भी गुजरते हैं। विधायक का कार्यालय भी इसी मार्ग पर है, लेकिन इसके बावजूद आमजन की परेशानी पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या शहर में विकास कार्य करवाने के लिए नागरिकों को बार-बार प्रदर्शन का सहारा लेना पड़ेगा? उन्होंने कहा कि अमृत-2 योजना से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन लापरवाही के चलते यह योजना परेशानी का कारण बन गई है। पहले भी सर्किट हाउस के बाहर करीब छह महीने तक गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया था। विरोध के बाद काम शुरू हुआ। फूटे ढोल के प्रदर्शन के जरिए उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को चेताया कि जनता की समस्याओं की अनदेखी का जवाब उन्हें देना होगा।

नवसृजित पंचायत समिति शम्भूगढ़ का पहला प्रधान कौन?

स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण कांग्रेस व बीजेपी दोनों पार्टियां निर्दलियों के जोड़ तोड़ में लगी हुई है

स्मार्ट हलचल



शम्भूगढ़। हाल ही में संपन्न हुए पंचायतीराज चुनाव में नवसृजित पंचायत समिति शम्भूगढ़ के परिणाम चौंकाने वाले रहे।

शम्भूगढ़ पंचायत समिति में 15 सीटों पर चुनाव हुए थे ,जिसके परिणाम हाल ही में जारी हुए है इसमें कांग्रेस को 7 और भारतीय जनता पार्टी को 6 सीट पर जीत हुई दो 2 सीट पर निर्दलीय के खाते में गई है ऐसे में स्पष्ट बहुमत नहीं होने के कारण दोनों पार्टियों निर्दलीयों के सहारे जोड़-तोड़ से प्रधान बनाने में जुटी हुई है।

शम्भूगढ़ प्रधान पद एससी सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है।

इन परिणामों में कांग्रेस को 7 सीट हासिल हुई है जिसमें एससी वर्ग से कोई प्रत्याशी नहीं जीत पाया ऐसे में कांग्रेस पार्टी से प्रधान बनाने के लिए निर्दलीयों पर निर्भरता बढ़ गई है, जबकि बीजेपी ने कुल 6 सीटें जीतकर बहुमत के जादुई आंकड़े से 2 सीट दूर है, बीजेपी से ह्यूष्कैटेगरी से 2 प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कराई है। वार्ड नंबर 4 से प्रेम चंद रैगर व वार्ड नंबर 7 से मिट्ठू लाल रेगर दोनों ने जीत हासिल की है। लेकिन बहुमत से 2 कदम दूर है।

शम्भूगढ़ प्रधान बीजेपी से बनाना जरूरी क्योंकि आसींद विधायक जब्बर सिंह सांखला की प्रतिष्ठा दांव पर।

आसींद विधायक जब्बर सांखला व हाल ही में जीते हुए पंचायत समिति सदस्य नरेश सांड अपनी पार्टी का प्रधान बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

अगर बहुमत का आंकड़ा बन जाता है तो प्रेमचंद रेगर का शम्भूगढ़ प्रधान बनना तय है साथ ही शम्भूगढ़ निवासी पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश सांड उपप्रधान बन सकते हैं।

वार्ड नंबर 1 से विजय सुशीला देवी पूर्व मंत्री रामलाल जाट के खेमे में पहुंचने की खबर।

वार्ड नंबर 1 से निर्दलीय सुशीला देवी के कांग्रेस खेमे में पहुंचने की खबर है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी से सुशीला देवी के प्रधान बनने के कयास लगाए जा रहे हैं।

वार्ड नंबर 8 से निर्दलीय महेंद्र बलाई को कांग्रेस पार्टी के समर्थन से प्रधान बनाए जाने की चर्चा है।

'जिला परिषद प्रमुख एवं उप प्रमुख का निर्वाचन 25 व 26 नवंबर को, निर्वाचन कार्यक्रम जारी'

'प्रमुख पद के लिए 25 नवंबर तथा उप प्रमुख पद के लिए 26 नवंबर को होगा निर्वाचन, प्रातः 10 बजे से शुरू होगी प्रक्रिया'

स्मार्ट हलचल



भीलवाड़ा। जिला परिषद भीलवाड़ा के प्रमुख एवं उप प्रमुख पद के निर्वाचन को लेकर निर्वाचन कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जसमीत सिंह संधू ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसरण में जिला परिषद के प्रमुख एवं उप प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित सदस्यों की बैठक जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के प्रथम तल स्थित सभागार में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला परिषद प्रमुख पद के लिए बुधवार, 25 नवंबर 2026 को तथा उप प्रमुख पद के लिए गुरुवार, 26 नवंबर 2026 को निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। दोनों दिवस बैठक प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने का समय प्रातः 11 बजे तक रहेगा तथा नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा प्रातः 11रू30 बजे की जाएगी। नाम निर्देशन-पत्र वापस लेने का समय अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित किया गया है। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान अपराह्न 3 बजे से 5 बजे के मध्य करवाया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संधू ने जिला परिषद के समस्त संबंधित निर्वाचित सदस्यों को निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होकर निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

कांग्रेस की पालिका, भाजपा की सरकार... शाहपुरा के विकास पर किसका ब्रेक- दो महीने बाद भी बोर्ड बैठक का इंतजार

10 पद खाली, पहली बैठक तक नहीं बुला पा रहे अध्यक्षय अधिकारी और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल पर सवाल, भाजपा विधायक और कांग्रेस बोर्ड के राजनीतिक समीकरण में उलझे शहर के कामकाज...

स्मार्ट हलचल



शाहपुरा। शहर की सरकार कांग्रेस की, प्रदेश की सत्ता भाजपा के हाथों में और विधानसभा में प्रतिनिधित्व भी भाजपा के पास। जनता ने नगर पालिका में कांग्रेस को बहुमत देकर शहर की बागडोर सौंपी, लेकिन दो महीने गुजरने के बाद भी विकास की गाड़ी पटरी पर दौड़ती नजर नहीं आ रही। नवनिर्वाचित बोर्ड की पहली बैठक तक नहीं हो पाई है। पार्षद अपने-अपने वार्डों के काम लेकर पालिका के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन बोर्ड की सामूहिक बैठक में विकास की प्राथमिकताएं तय होने का इंतजार खत्म नहीं हो रहा। दूसरी तरफ नगर पालिका में अधिकारियों और कर्मचारियों के 10 पद खाली हैं। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि शाहपुरा में विकास की रफ्तार आखिर कौन बढ़ाएगा और किसके भरोसे शहर की समस्याओं का समाधान होगा? शाहपुरा नगर पालिका के हालात इन दिनों स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था के बीच सामंजस्य की चुनौती को उजागर कर रहे हैं। निकाय चुनाव में कांग्रेस ने 35 में से 22 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल किया था। भाजपा को 8 और निर्दलीयों को 5 सीटें मिली थीं। इसके बाद कांग्रेस के रमेश सेन अध्यक्ष निर्वाचित हुए। दूसरी ओर शाहपुरा के भाजपा विधायक लालाराम बैरवा हैं और प्रदेश में भी भाजपा की सरकार है। यानी शहर के स्थानीय निकाय और राज्य की सत्ता में अलग-अलग राजनीतिक दलों की भूमिका है।

पहली बैठक का एजेंडा कहां अटका?

नए बोर्ड के गठन के बाद उम्मीद थी कि पार्षदों की पहली बैठक में शहर के विकास का खाका तैयार होगा। वार्डों की सड़कें, नालियां, सफाई, पेयजल, रोशनी और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर प्रस्ताव सामने आएंगे। लेकिन अब तक बोर्ड की पहली बैठक नहीं बुलाए जाने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बैठक बुलाने के लिए एजेंडा तैयार कर जारी करने की प्रशासनिक प्रक्रिया अधिशाषी अधिकारी के माध्यम से पूरी होती है। स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पालिका अध्यक्ष और अधिशाषी अधिकारी के बीच अपेक्षित सामंजस्य नहीं बन पा रहा है। वहीं विधायक की भूमिका को लेकर भी चर्चाएं हैं। हालांकि इन परिस्थितियों पर संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का पक्ष सामने आना जरूरी है। इस बीच भाजपा बोर्ड के अंतिम दिनों में जारी किए गए वर्क ऑर्डर वाले कुछ कार्यों की क्रियान्विति जारी रहने की बात सामने आ रही है। इन कार्यों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं कि नई निर्वाचित बोर्ड की प्राथमिकताओं और पार्षदों की भूमिका को किस तरह शामिल किया जा रहा है।

अध्यक्ष के सामने खाली कुर्सियों की चुनौती

राजनीतिक समीकरणों के अलावा नगर पालिका की सबसे बड़ी परेशानी कर्मचारियों की कमी है। शाहपुरा नगर पालिका लंबे समय से अधिकारियों और कर्मचारियों के अभाव से जूझ रही है। कुल 10 पद रिक्त होने से प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है। नगर पालिका में लेखाकार, कनिष्ठ अभियंता, वरिष्ठ प्रारूपकार (नक्शा), स्वास्थ्य निरीक्षक और राजस्व निरीक्षक जैसे पांच महत्वपूर्ण पद खाली हैं। इसके अलावा चार कनिष्ठ लिपिक और एक वरिष्ठ लिपिक का पद भी रिक्त चल रहा है। इन पदों का सीधा संबंध शहर के रोजमर्रा के कामकाज से है। लेखाकार के अभाव में वित्तीय प्रक्रियाओं, कनिष्ठ अभियंता के अभाव में निर्माण कार्यों और नक्शा स्वीकृति, स्वास्थ्य निरीक्षक के अभाव में सफाई व्यवस्था तथा राजस्व निरीक्षक के अभाव में राजस्व संबंधी



कार्यों पर असर पड़ सकता है। लिपिकीय स्टाफ की कमी से फाइलों और आमजन के आवेदनों के निस्तारण में भी परेशानी आती है।

अध्यक्ष रमेश सेन ने उठाया रिक्त पदों का मुद्दा

नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सेन का कहना है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के महत्वपूर्ण पद रिक्त होने से शहर के विकास कार्यों और आमजन के कामकाज में कठिनाइयां आ रही हैं। उनकी प्राथमिकता शाहपुरा के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्य करवाने और लोगों को नगर पालिका से संबंधित सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने की है। सेन के अनुसार पर्याप्त स्टाफ नहीं होने के कारण कई कार्यों को गति देने में परेशानी होती है। उन्होंने राज्य सरकार और संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से शाहपुरा नगर पालिका में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्तियां करने की मांग की है। उनका कहना है कि जनता को बेहतर सुविधाएं देना नगर पालिका की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके लिए आवश्यक अधिकारी, कर्मचारी और संसाधन उपलब्ध करवाना भी जरूरी है।



पंचायत चुनाव के बाद बदले राजनीतिक समीकरण

शाहपुरा की राजनीति में हालिया पंचायत चुनावों के बाद भी नए समीकरण सामने आए हैं। पंचायत समिति में भी कांग्रेस का बोर्ड बनने से स्थानीय निकायों में कांग्रेस की भूमिका बढ़ी है। ऐसे में भाजपा विधायक, भाजपा सरकार और कांग्रेस के नगर पालिका एवं पंचायत समिति बोर्ड के बीच समन्वय किस तरह बनेगा, यह आने वाले समय में महत्वपूर्ण रहेगा। पंचायत चुनावों में भाजपा को मिले परिणामों के बाद स्थानीय राजनीति में भी चर्चाओं का दौर है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि बदले राजनीतिक परिदृश्य में जनप्रतिनिधि आपसी तालमेल से विकास कार्यों को कितनी प्राथमिकता देते हैं।

शहर के सामने पांच बड़े सवाल

शाहपुरा के मौजूदा हालात में कुछ सवाल सीधे जनता से जुड़े हैं।

नगर पालिका बोर्ड की पहली बैठक आखिर कब होगी?

शहर के विकास कार्यों की प्राथमिकताएं कौन तय करेगा?

10 रिक्त पदों पर नियुक्तियां कब होंगी?

पालिका अध्यक्ष, अधिशाषी अधिकारी और विधायक के बीच समन्वय कैसे बनेगा?

वार्डों में अटके विकास कार्यों को गति देने के लिए ठोस पहल कब होगी?

राजनीतिक गणित से ऊपर उठे शहर का विकास

शाहपुरा के नागरिकों को कांग्रेस या भाजपा के राजनीतिक समीकरणों से ज्यादा अपने वार्डों में सड़क, नाली, सफाई, रोशनी और पेयजल जैसी सुविधाओं की जरूरत है। जनता ने पार्षदों को इसी उम्मीद से चुना है कि उनके क्षेत्र की समस्याओं का समाधान होगा। वहीं राज्य सरकार से भी अपेक्षा है कि वह स्थानीय निकायों को पर्याप्त संसाधन और कर्मचारी उपलब्ध कराए।

बड़ा सवाल यही है कि शाहपुरा में सत्ता के अलग-अलग केंद्र शहर के विकास के लिए एक मंच पर कब आएंगे? कांग्रेस के पास नगर पालिका और पंचायत समिति की जिम्मेदारी है, भाजपा के पास राज्य सरकार और विधायक का प्रतिनिधित्व। ऐसे में राजनीतिक मतभेदों के बीच विकास की जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने के बजाय सामूहिक जवाबदेही तय करनी होगी। वरना बोर्ड के बचे हुए कार्यकाल में भी शहर की समस्याएं फाइलों में ही घूमती रह जाएंगी और जनता इंतजार करती रह जाएगी।

धर्मनगरी खामोर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, 151 गांवों की रामधुनी मंडलियों संग निकलेगी हरिबोल प्रभातफेरी

लगातार तीसरे वर्ष होगा भव्य धार्मिक आयोजन, तेजाजी चौक से मुख्य मार्गों से होते हुए सगस मंदिर पहुंचेगी प्रभातफेरी, समापन पर होगी महाप्रसादी...

स्मार्ट हलचल

खामोर धर्मनगरी खामोर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। समस्त ग्रामवासियों की ओर से लगातार तीसरे वर्ष भव्य हरिबोल प्रभातफेरी का आयोजन किया जा रहा है।ग्रामीण सियाराम वैष्णव ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के 151 गांवों की रामधुनी मंडलियों को आमंत्रित किया गया है। लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रहे इस धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामवासियों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में रामधुनी मंडलियों और श्रद्धालुओं की सहभागिता से धर्मनगरी खामोर हरिनाम संकीर्तन और भक्ति के रंग में रंगेगी।प्रभातफेरी का शुभारंभ तेजाजी चौक से होगा। यहां से विभिन्न रामधुनी मंडलियां ढोल-नगाड़ों, मंजीरों और भक्ति गीतों की मधुर धुन के साथ कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए आगे बढ़ेंगी। प्रभातफेरी के दौरान रामधुनी मंडलियों द्वारा हरिनाम संकीर्तन किया जाएगा। भजनों और धार्मिक जयघोष से धर्मनगरी का वातावरण भक्तिमय होगा। आयोजन में ग्रामीणों, युवाओं, बुजुर्गों और धर्मप्रेमियों की भागीदारी रहेगी।प्रभातफेरी कस्बे के मुख्य मार्गों से होते हुए आंगूचा रोड स्थित सगस मंदिर पहुंचेगी। यहां धार्मिक आयोजन के समापन अवसर पर महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। श्रद्धालु प्रभातफेरी में शामिल होकर धर्मलाभ लेंगे तथा महाप्रसादी ग्रहण करेंगे।लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रही हरिबोल प्रभातफेरी अब धर्मनगरी खामोर की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही है। कार्तिक पूर्णिमा पर होने वाला यह आयोजन क्षेत्र में भक्ति,श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का विशेष उदाहरण बनेगा।

नशे के सौदागरों पर प्रशासन की नजर, स्कूल-कॉलेजों के आसपास चलेगा विशेष निगरानी अभियान...

500 मीटर का दायरा होगा ड्रग्स फ्री जोन, अवैध खेती से लेकर नशीली दवाओं की बिक्री तक पर होगी संयुक्त कार्रवाई

स्मार्ट हलचल

ब्यावर । जिले को नशामुक्त के लिए प्रशासन ने अब मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई तेज करने की तैयारी की है। नशे की खेती, तस्करी, बिक्री और सेवन पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न विभाग मिलकर निगरानी और कार्रवाई करेंगे। खासतौर पर युवाओं को नशे से दूर रखने के उद्देश्य से स्कूल-कॉलेजों के आसपास 500 मीटर के दायरे को ड्रग्स फ्री जोन बनाने पर जोर दिया गया है। जिला कलक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में सोमवार को जिला



स्तरीय एनसीओआरडी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधिकारियों को आपसी समन्वय से नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए। सरकारी, वन एवं कृषि भूमि पर मादक पदार्थों की अवैध खेती की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सर्वे करवाया जाएगा। इसके लिए वन विभाग, पटवारियों और ग्राम सेवकों की मदद ली जाएगी। वहीं परिवहन विभाग को वाहनों की जांच के दौरान तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहनों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए।

शिक्षण संस्थानों के आसपास दुकानों की होगी जांच

स्कूल-कॉलेजों के 500 मीटर के दायरे में संचालित पान एवं चाय की दुकानों का संयुक्त निरीक्षण किया जाएगा। मेडिकल स्टोर और फार्मास्यूटिकल दवाओं के विक्रेताओं पर भी निगरानी रखी जाएगी। प्रतिबंधित एवं नशीली दवाओं की अवैध बिक्री रोकने के लिए औचक निरीक्षण किए जाएंगे।

नशे की गिरफ्त में आए लोगों की होगी काउंसलिंग

प्रशासन नशे के कारोबार पर कार्रवाई के साथ नशे की लत से प्रभावित लोगों को मुख्यधारा में लाने पर भी ध्यान देगा। इसके लिए काउंसलिंग, नशामुक्ति शिविर और जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 का प्रचार-प्रसार कर आमजन को तस्करी संबंधी सूचनाएं साझा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बैठक में ट्रामाडोल, कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य साइकोट्रॉपिक दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम की समीक्षा की गई। तस्करों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की जानकारी जुटाकर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा जिला अस्पतालों के नशामुक्ति केंद्रों की व्यवस्थाओं की निगरानी के निर्देश भी दिए गए। जिला कलक्टर ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों की पालना की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को नियमित निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. लोकेश, जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी विशाल सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोई बच्चा स्वास्थ्य सुरक्षा कवच से वंचित ना रह जाए



काछोला सेक्टर में घर घर जाकर पिलाई 307 बच्चों को पोलियो की दवा

स्मार्ट हलचल

काछोला 23 नवंबर -कस्बे सहित क्षेत्र में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दूसरे दिन सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की दो बूंद दवा पिलाई।काछोला चिकित्सा प्रभारी डॉ रितेश चौधरी ने बताया की इस अभियान का मुख्य उद्देश्य की कोई भी पात्र बच्चा इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा कवच से वंचित ना रह जाए। प्रभारी सुमित्रा तिवाड़ी ने बताया कि काछोला सेक्टर के काछोला,राजगढ़, सरथला, थलकलां,नाहरगढ़ के 21 पोलियो बूथ के 58 वैक्सीनेटर्स के साथ काछोला में सुमित्रा तिवाड़ी,राजगढ़ सुपरवाइजर चांद मल रेगर, थलकलां , सरथला के सुषमा शरण के साथ आशा सहयोगिनी,आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने 307 बच्चों को दवा पिलाई। निरीक्षण के दौरान काछोला चिकित्सा प्रभारी डॉ रितेश चौधरी ने पोलियो कार्यक्रम में लगे कार्मिकों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम में कोताही नहीं बरते,और घर घर जाकर सर्वे करे कि पहले दिन किस कारण वश छूट गए है उन्हें अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाई जाए जिससे स्वास्थ्य विभाग का शत प्रतिशत सफलता प्राप्त की जा सके। वही डॉ चौधरी ने आमजन से अपील की कि अपने घरों पर आने वाली मोबाइल टीम का सहयोग करे,और तीसरे दिन मंगलवार को भी शेष रहे बच्चों को घर घर दवा पिलाई जाएगी।

पंचायती राज की सत्ता का होगा फैसला, 25 से शुरू होगा ताजपोशी का दौर

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची ब्यावर। पंचायती राज चुनाव के बाद अब जिला परिषद और पंचायत समितियों में नेतृत्व की तस्वीर साफ होने जा रही है। जिला प्रमुख और उप-प्रमुख की कुर्सी पर कौन काबिज होगा, इसका फैसला 25 और 26 नवंबर को होगा। वहीं पंचायत समितियों में प्रधान और उप-प्रधान के निर्वाचन के लिए 27 व 28 नवंबर की तारीख तय की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी कमल राम मीना ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला परिषद ब्यावर में 25 नवंबर को जिला प्रमुख तथा 26 नवंबर को उप-प्रमुख का निर्वाचन होगा। दोनों दिन सुबह 10 बजे निर्वाचित सदस्यों की बैठक शुरू होगी। सुबह 11 बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 11:30 बजे नामांकन पत्रों की जांच होगी तथा दोपहर 1 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक मतदान करवाया जाएगा। इसी प्रकार पंचायत समितियों के प्रधान एवं उप-प्रधान पदों के लिए 27 और 28 नवंबर को संबंधित पंचायत समिति मुख्यालयों पर निर्वाचित सदस्यों की बैठक आयोजित होगी। निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपन्न करवाई जाएगी।

उनियारा कॉलेज के सामने बस नहीं रोकने और प्राचार्य से अभद्रता का मामला गरमाया,

पार्षदों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन-बारां डिपो की बस के चालक पर अभद्र व्यवहार का आरोप

पुलिसकर्मी के व्यवहार पर भी उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। राजकीय महाविद्यालय उनियारा के सामने निर्धारित रोडवेज बस स्टॉप पर बस नहीं रोकने और कॉलेज प्राचार्य व सहायक आचार्य के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना को लेकर नगर पालिका उनियारा के पार्षदों ने रोष जताते हुए उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पार्षदों की ओर से उपखंड अधिकारी



उनियारा को लिखे गए पत्र के अनुसार, 21 नवंबर 2026 को सुबह करीब 10 बजे बारां डिपो की रोडवेज बस संख्या RJ-14-PE-4882 के चालक सत्यनारायण धोबी ने निर्धारित रोडवेज स्टॉप पर बस नहीं रोकी। आरोप है कि इस बात को लेकर राजकीय महाविद्यालय उनियारा के प्राचार्य एवं सहायक आचार्य के साथ अभद्र एवं अशोभनीय व्यवहार किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि घटना की जानकारी मिलने पर नजदीकी पुलिस थाने से एक पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचा। कॉलेज प्रशासन का आरोप है कि पुलिसकर्मी ने भी प्राचार्य से अशोभनीय भाषा में बातचीत की। बाद में दोनों पक्षों को थाने ले जाया गया। पार्षदों ने पत्र में कहा कि महाविद्यालय के सामने निर्धारित रोडवेज बस स्टॉप विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी क्षेत्र में राजकीय चिकित्सालय, कृषि मंडी, छात्रावास, संस्कृत विद्यालय एवं जलदाय विभाग सहित कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। ऐसे में निर्धारित स्टॉप पर बसों का ठहराव आवश्यक है। पार्षदों ने उपखंड अधिकारी से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच करवाने, संबंधित व्यक्तियों के आचरण एवं भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए निर्देश जारी करने की मांग की है। इसके साथ ही रोडवेज बसों का निर्धारित स्टॉपेज पर नियमित ठहराव सुनिश्चित करवाने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया गया है। पार्षदों ने उपखंड अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके रीडर सीताराम कंवरिया को पत्र सौंपा।

सांवरिया सेठ के आशीर्वाद से शुरू हुआ पंचायत का नया सफर, सरपंच भावना गाडरी ने संभाली कमान

ग्राम पंचायत नगरी में नवनिर्वाचित सरपंच व वार्ड पंचों ने किया पदभार ग्रहण, ग्रामीणों ने किया स्वागत-अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। ग्राम पंचायत नगरी में रविवार को दोपहर 12:15 बजे नवनिर्वाचित सरपंच एवं ग्राम पंचायत सदस्यों का पदभार ग्रहण समारोह हर्षोल्लास एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित हुआ। समारोह में ग्राम पंचायत नगरी के अंतर्गत आने वाले गांव नगरी, गुर्जर खेडा,धोरडिया,गुसाई खेडा,रामपुरीया,पिपलीपाल,एवं बिलियां के बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। समारोह की शुरुआत सांवरिया जी सेठ की तस्वीर पर माल्यार्पण, हवन-यज्ञ एवं विधिवत पूजा-पाठ के साथ की गई। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात नवनिर्वाचित सरपंच एवं समस्त वार्ड पंचों का ग्रामीणों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी देवीलाल रेगर,भेरूलाल जी,आर,एस,पूर्व संरपच देवकिशन रेगर उपस्थित रहे नवनिर्वाचित सरपंच भावना गाडरी को विधिवत कार्यभार ग्रहण कराया, जिसके बाद पंचायत के नए कार्यकाल की शुरुआत हुई। उपस्थित ग्रामीणों का मुंह मीठा करवाकर खुशी साझा की गई तथा सभी ने नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित सरपंच भावना गाडरी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत नगरी के सभी गांवों को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने, गांवों में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने तथा मूलभूत सुविधाओं एवं विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र के सभी गांवों में बिना भेदभाव विकास कार्य करवाने, ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने तथा जनहित के कार्यों में सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास रहेगा। ग्राम पंचायत के प्रत्येक गांव को विकास की राह पर आगे बढ़ाना ही उनका संकल्प है। समारोह में उपस्थित ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित सरपंच एवं वार्ड पंचों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि नई पंचायत ग्रामीणों की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए गांवों के विकास, जन सुविधाओं और समस्याओं के समाधान के लिए समर्पित होकर कार्य करेगी।



आरिफ खान के इंतकाल पर एमडी चोपदार ने जताया गहरा शोक, परिवार को हरसंभव मदद का दिया भरोसा

लांबिया पहुंचकर परिजनों को बंधाया ढांढस, बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य की जिम्मेदारी में सहयोग का किया वादा

स्मार्ट हलचल

रायला/ लांबिया। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के साथी आरिफ खान के इंतकाल की खबर से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर छा गई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार ने आरिफ खान के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की। उन्होंने कहा कि आरिफ खान का असमय निधन संगठन और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार शाम 4 बजे बनेड़ा उपखंड के लांबिया गांव स्थित आरिफ खान के निवास पर पहुंचे। यहां उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। इसके बाद वे कब्रिस्तान पहुंचे और मरहूम आरिफ खान की कब्र पर फूल पेश कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान चोपदार ने भावुक होते हुए कहा कि आरिफ खान



अपने पीछे छोटे-छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। ऐसे में परिवार के सामने बच्चों के पालन-पोषण, शिक्षा और भविष्य की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। सरकार की ओर से मिलने वाली पात्र आर्थिक सहायता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे, ताकि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में केवल संवेदना व्यक्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आना भी समाज और संगठन की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष हमीद रंगरेज, पार्षद निसार सिलावट, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी एससी विभाग के उपाध्यक्ष डॉ. आरसी सामरिया, बनेड़ा जिला ग्रामीण अध्यक्ष इकबाल शाह, चित्तौड़गढ़ से मोहम्मद खान, राजस्थान कायमखानी महासभा के जिला अध्यक्ष सावत खान, मोइनुद्दीन खान (थोलू उस्ताद) सहित गांव के गणमान्य नागरिक, समाजजन एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

शहीद की पुण्यतिथि पर रक्तदान का महादान, 137 यूनिट रक्त संग्रह कर युवाओं ने पेश की मिसाल

अमर शहीद जगन्नाथ मीणा को श्रद्धांजलि देने उमड़े ग्रामीण, रक्तदाताओं और क्षेत्रवासियों के सहयोग से सफल हुआ शिविर



स्मार्ट हलचल

आकोला बरुंदनी में अमर शहीद जगन्नाथ मीणा की पुण्यतिथि पर आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं और ग्रामीणों ने सेवा भावना का परिचय देते हुए 137 यूनिट रक्तदान किया। शहीद की स्मृति में आयोजित इस शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बना। बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर जरूरतमंदों की मदद के लिए रक्तदान किया और शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद जगन्नाथ मीणा स्मारक स्थल पर उनकी प्रतिमा पर तिलक लगाकर एवं माला अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने शहीद के बलिदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद सहयोग सेवार्थ फाउंडेशन एवं शहीद जगन्नाथ मीणा ब्लड आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में स्मारक स्थल के सामने रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। कोटड़ी श्याम ब्लड बैंक के सहयोग से डॉ. माधुरी विश्नोई के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने रक्त संग्रहण एवं चिकित्सा व्यवस्थाएं संभालीं। शिविर में कुल 137 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। आयोजन की सफलता पर आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, उत्साह और सेवा भावना से शिविर सफल हो सका। रक्तदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति का योगदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। शहीद की पुण्यतिथि पर आयोजित इस शिविर ने समाज को मानवता, एकता और सेवा का संदेश दिया।

बेटी के सम्मान से बदलेगी समाज की सोच, 'बेटी के साथ सेल्फी' अभियान ने दिया सशक्तिकरण का संदेश

मिशन शक्ति सप्ताह के तहत मसूदा में जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को अधिकारों, सुरक्षा कानूनों और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

स्मार्ट हलचल । अनिल खींची

ब्यावर । बेटियों को बराबरी का सम्मान और समान अवसर देना ही सशक्त समाज की पहचान है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति सप्ताह के तहत मसूदा में महिला जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला अधिकारिता विभाग के निर्देशन में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना मसूदा के परामर्शदाताओं ने 'जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता' थीम पर कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में 'बेटी के साथ सेल्फी' पहल का शुभारंभ किया गया। इस पहल के माध्यम से बेटियों के सम्मान, समानता और सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। साथ ही परिवारों से संवाद कर बालिकाओं को समान महत्व, देखभाल और जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर देने की अपील की गई। इस दौरान महिलाओं से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, नीतियों एवं कानूनों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से मिशन शक्ति के तहत संचालित योजनाओं के बारे में बताते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए सामुदायिक सहभागिता को जरूरी बताया गया। महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक जगदीश चौधरी ने बताया कि मिशन शक्ति सप्ताह के तहत आयोजित गतिविधियों का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही लैंगिक समानता और सकारात्मक सामाजिक बदलाव को गति मिल सकती है।



सरस डेयरी में मॉक ड्रिल से परखी आपदा प्रबंधन की तैयारियां, एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

सायरन बजते ही ब्लैकआउट, एयर स्ट्राइक के अलर्ट पर दौड़ी रेस्क्यू टीमें, एसडीआरएफ, पुलिस और मेडिकल टीम ने संभाला मोर्चा

सरस डेयरी में मचा आपातकाल जैसा माहौल, घायलों को सुरक्षित निकालने से लेकर अस्पताल पहुंचाने तक का किया अभ्यास

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। आसमान से हमले की आशंका, अचानक बजता सायरन और देखते ही देखते ब्लैकआउट...। सोमवार को अजमेर रोड स्थित सरस डेयरी परिसर में कुछ ऐसा ही आपातकालीन माहौल नजर आया। हालांकि यह कोई वास्तविक हमला नहीं, बल्कि एयर स्ट्राइक से आग लगने जैसी स्थिति में राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं को परखने के लिए आयोजित मॉक ड्रिल थी। इस दौरान प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, मेडिकल और नागरिक सुरक्षा दल ने संयुक्त रूप से अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। नागरिक सुरक्षा विभाग जयपुर



एवं जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार आयोजित इस अभ्यास में एयर स्ट्राइक जैसी आपात स्थिति की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी, एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम तथा मेडिकल टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। सभी विभागों ने अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुरूप मोर्चा संभाला। मॉक ड्रिल के तहत डेयरी परिसर में आपातकालीन सायरन बजते ही ब्लैकआउट प्रोटोकॉल लागू किया गया और एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इसके बाद प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा दल और अग्निशमन विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। टीमों ने घटनास्थल पर आग बुझाने, प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और आपात स्थिति को नियंत्रित करने का अभ्यास किया। अभ्यास के दौरान एसडीआरएफ की टीम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। संभावित रूप से प्रभावित और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर मेडिकल टीम के सुपुर्द किया गया। मेडिकल टीम ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने तथा उनकी स्थिति के अनुसार अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। वहीं पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, राहत कार्यों के संचालन और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान आपात स्थिति में सूचना के त्वरित आदान-प्रदान, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और बचाव दल की प्रतिक्रिया क्षमता को भी परखा गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन डॉ. सुश्री हरितिमा ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य एयर स्ट्राइक जैसी आकस्मिक एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की तत्परता, कार्यक्षमता तथा आपसी समन्वय का आकलन करना है। एडीएम सिटी श्रीमती प्रतिभा देवटिया एवं उपखंड अधिकारी प्रमोद सिरवी ने बताया कि इस तरह के अभ्यास से वास्तविक आपातकालीन परिस्थितियों में बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने की क्षमता विकसित होती है। साथ ही प्रभावित लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य, एडीएम सिटी प्रतिभा देवटिया, उपखंड अधिकारी प्रमोद सिरवी, भीलवाड़ा डेयरी प्रबन्ध संचालक त्रिभुवन पाटीदार सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी, मेडिकल टीम, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग और नागरिक सुरक्षा दल के सदस्य मौजूद रहे।

संपादकीय

विकास की चमक में छिपा बेरोजगारी का सच



राज कुमार सिन्हा

स्मार्ट हलचल

विकास का शोर आज भारत की एक ऐसी गंभीर सामाजिक और आर्थिक परिस्थिति को उजागर करता है, जिसमें देश या राज्य में बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति और बड़े उद्योगों के विकास के बड़े-बड़े दावे तो किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। देश की जीडीपी और विकास दर में वृद्धि के बावजूद यदि पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा नहीं होते, तो यह स्थिति 'जॉबलेस ग्रोथ' यानी रोजगारविहीन विकास की ओर संकेत करती है। ऐसे में सवाल केवल अर्थव्यवस्था की विकास दर का नहीं, बल्कि इस बात का भी है कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के कितने लोगों तक पहुंच रहा है और उससे कितने नए रोजगार पैदा हो रहे हैं।

चमचमाती सड़कें, बड़े मॉल और डिजिटल इंडिया के नारों के बीच पेपर लीक, सरकारी भर्तियों में देरी और निजी क्षेत्र में छंटनी की खबरें युवाओं को निराश करती हैं। विकास की वास्तविक सफलता का आकलन केवल सड़कों, भवनों, औद्योगिक परियोजनाओं और डिजिटल सुविधाओं की संख्या से नहीं किया जा सकता। इसके लिए यह देखना भी जरूरी है कि इन परियोजनाओं से कितने स्थायी और सम्मानजनक रोजगार पैदा हुए हैं। यदि आर्थिक गतिविधियां बढ़ने के बावजूद रोजगार के अवसर सीमित रहते हैं, तो विकास और आम लोगों की आर्थिक स्थिति के बीच असंतुलन पैदा होता है।

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण की वार्षिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, देश में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर 2025 में 9.9 प्रतिशत रही। वर्ष 2024 के लिए यह आंकड़ा 10.3 प्रतिशत था। यानी सरकारी सर्वेक्षण में युवाओं की बेरोजगारी दर में कुछ कमी दर्ज की गई है। लेकिन आंकड़ों को गहराई से देखने पर तस्वीर के दूसरे पहलू भी सामने आते हैं। वर्ष 2025 में ग्रामीण युवाओं की बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत, जबकि शहरी युवाओं की दर 13.6 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी युवाओं में बेरोजगारी की दर ग्रामीण युवाओं के मुकाबले काफी अधिक है। यह अंतर बताता है कि शहरों में शिक्षा और रोजगार की तलाश में पहुंचने वाले युवाओं के लिए भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध होना सुनिश्चित नहीं है।

आज का युवा अत्यधिक शिक्षित होने के बावजूद चपरासी या संविदा जैसी छोटी नौकरियों के लिए आवेदन करने को मजबूर है। यह स्थिति शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर को सामने लाती है। युवाओं की शैक्षणिक योग्यता और उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार उपलब्ध नहीं होना केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था और रोजगार सृजन की नीतियों से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। जब उच्च शिक्षा प्राप्त युवा भी अपनी योग्यता के अनुरूप काम नहीं पा पाते, तो शिक्षा के माध्यम से बेहतर जीवन हासिल करने का उनका सपना कमजोर पड़ने लगता है।

नौकरियों के फॉर्म भरने से लेकर परीक्षा होने, परिणाम आने और नियुक्ति मिलने तक वर्षों लग जाते हैं। ऊपर से पेपर लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत पर पानी फेर देती हैं। भर्ती प्रक्रिया में देरी, परीक्षा प्रणाली की खामियां और पारदर्शिता का अभाव युवाओं के समय, संसाधनों और श्रम को नुकसान पहुंचाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगाने वाले युवाओं के लिए यह केवल परीक्षा संबंधी समस्या नहीं, बल्कि उनके भविष्य और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। परीक्षा समय पर न होने के कारण कई युवाओं की सरकारी नौकरी पाने की निर्धारित उम्र सीमा पार हो जाती है, जिससे वे मानसिक तनाव में आ जाते हैं। इस स्थिति में भर्ती प्रक्रिया की जवाबदेही और समयबद्ध नियुक्ति का महत्व और बढ़ जाता है।

रोजगार की उम्र निकल जाने के बाद केवल परीक्षा देने का अवसर ही समाप्त नहीं होता, बल्कि कई युवाओं के सामने भविष्य की योजनाओं, आर्थिक आत्मनिर्भरता और परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने का संकट भी खड़ा हो जाता है। समाज और परिवार की उम्मीदों का बोझ तथा लगातार असफलता युवाओं को अवसाद और मानसिक तनाव की ओर धकेल देती है। उम्र के एक पड़ाव पर पहुंचने के बाद भी माता-पिता पर आर्थिक रूप से निर्भर रहना युवाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाता है। रोजगार की कमी का प्रभाव इसलिए भी व्यापक है, क्योंकि यह केवल आय अर्जित करने की क्षमता को प्रभावित नहीं करती, बल्कि परिवार, सामाजिक संबंधों, आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति उम्मीदों पर भी असर डालती है।

बेरोजगारी भारत की आर्थिक कहानी के उस पक्ष को उजागर करती है, जिसे अक्सर विकास दर, निवेश और बड़े आयोजनों की चमक में ढक दिया जाता है। एक ओर नीति-निर्माता भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल बताते हैं, वहीं दूसरी ओर पढ़े-लिखे युवाओं में बेरोजगारी, अस्थिर रोजगार और घटती आय गहरी चिंता पैदा करती है। यहां यह समझना आवश्यक है कि आर्थिक विकास और रोजगार वृद्धि एक ही बात नहीं हैं। जीडीपी बढ़ने से अर्थव्यवस्था में उत्पादन और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार तो पता चलता है, लेकिन इससे अपने आप यह साबित नहीं होता कि पर्याप्त संख्या में गुणवत्तापूर्ण रोजगार भी पैदा हुए हैं।

बेरोजगारी की समस्या का तथ्यात्मक आकलन करते समय केवल बेरोजगारी दर को देखना पर्याप्त नहीं है। रोजगार की गुणवत्ता, नियमित वेतन, काम की स्थिरता, सामाजिक सुरक्षा, युवाओं की श्रम बाजार में भागीदारी और शिक्षित युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप काम मिलने जैसे पहलुओं पर भी ध्यान देना जरूरी है। संविदा, अस्थायी और कम आय वाले काम में लगे युवाओं की स्थिति भी रोजगार की वास्तविक तस्वीर को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। इसी तरह, सरकारी नौकरी की तैयारी में वर्षों बिताने वाले युवाओं और अपनी योग्यता से कम स्तर का काम करने को मजबूर युवाओं की परिस्थितियां रोजगार संकट के अलग-अलग पहलुओं को सामने लाती हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत किस तरह के विकास की ओर बढ़ रहा है। यदि विकास का अर्थ केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, निवेश के बड़े आंकड़ों और कुछ चुनिंदा क्षेत्रों की प्रगति तक सीमित रहेगा, तो बेरोजगारी और आर्थिक असमानता की समस्याएं बनी रहेंगी। विकास की वास्तविक कसौटी यह होनी चाहिए कि उससे युवाओं के लिए कितने नए अवसर पैदा होते हैं, उन्हें कितना स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलता है तथा वे कितनी जल्दी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन पाते हैं। भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक है, लेकिन इस संभावना को वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलने के लिए रोजगार सृजन को विकास नीति के केंद्र में रखना होगा। अन्यथा, विकास के बड़े-बड़े दावों और बेरोजगार युवाओं की जमीनी हकीकत के बीच का अंतर लगातार बढ़ता रहेगा। विकास का शोर तभी सार्थक होगा, जब उसकी गूंज युवाओं को रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य के रूप में सुनाई देगी।

महादेवघाट का ऐतिहासिक पुन्नी मेला आस्था और लोक संस्कृति का संगम

रायपुर छत्तीसगढ़ की समृद्ध धार्मिक आस्था, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक ऐतिहासिक पुन्नी मेला राजधानी रायपुर के महादेव घाट में एक बार फिर अपनी भव्यता बिखेरने जा रहा है। खारून नदी के पावन तट पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 24 नवंबर को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। भगवान हटकेश्वर महादेव की नगरी में आस्था की डुबकी लगाने, दीपदान करने और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए रायपुर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महादेव घाट का पुन्नी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यहां पीढ़ियों से चली आ रही परंपराएं आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाई जाती हैं। कार्तिक पूर्णिमा की पावन बेला में खारून नदी के तट पर प्रज्वलित दीपों की जगमगाहट, मंदिरों में गूंजते मंत्रोच्चार, भगवान शिव के जयकारे और पारंपरिक मेले की चहल-पहल मिलकर ऐसा वातावरण रचते हैं, जो छत्तीसगढ़ की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर करता है।

ऐतिहासिक हटकेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है मेले की गौरवशाली परंपरा



महादेव घाट स्थित प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस मंदिर का संबंध कलचुरी शासनकाल से माना जाता है। प्रचलित ऐतिहासिक विवरणों और स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मंदिर का निर्माण कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के शासनकाल में हुआ था। कुछ विवरणों में इसका निर्माण वर्ष 1402 ईस्वी के आसपास बताया गया है, जबकि अन्य स्थानीय कथाओं में अलग-अलग तिथियों का उल्लेख मिलता है।

लोकमान्यता के अनुसार खारून नदी के किनारे भगवान शिव की आराधना और कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान की परंपरा लंबे समय से प्रचलित है। समय के साथ इस धार्मिक आयोजन ने विशाल मेले का स्वरूप धारण कर लिया। मंदिर की प्राचीनता, शिवभक्ति की परंपरा और खारून नदी के प्रति श्रद्धा ने महादेव घाट को रायपुर के प्रमुख धार्मिक स्थलों में प्रतिष्ठित किया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पुण्य स्नान और दीपदान का विशेष महत्व

भारतीय धार्मिक परंपराओं में कार्तिक पूर्णिमा को अत्यंत पवित्र माना गया है। इस दिन नदी में स्नान, भगवान शिव और भगवान विष्णु की आराधना, दीपदान तथा दान-पुण्य का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र जल में स्नान करने और दीपदान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

महादेव घाट में श्रद्धालु प्रातःकाल खारून नदी में स्नान कर भगवान हटकेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। मंदिर में बेलपत्र, पुष्प और जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य तथा प्रदेश की खुशहाली की कामना की जाती है। नदी के किनारे दीप प्रज्वलित करने की परंपरा इस आयोजन को विशेष आध्यात्मिक स्वरूप प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन का उत्सव

पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा है, जिसमें धार्मिक आस्था और लोकजीवन एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। प्रदेश में धान की कटाई के आसपास का समय ग्रामीण उत्सवों, मेलों और मड़ई की परंपराओं से भी जुड़ा रहा है। कृषि प्रधान समाज में यह समय सामूहिक उल्लास, पारिवारिक मिलन और सामाजिक सहभागिता का अवसर बनता है। महादेव घाट का मेला भी इसी लोकजीवन की झलक प्रस्तुत करता है। पारंपरिक खानपान, खिलौनों, श्रृंगार सामग्री, घरेलू उपयोग की वस्तुओं और विभिन्न प्रकार की दुकानों से मेला परिसर गुलजार रहता है। बच्चों के लिए झूले और मनोरंजन के साधन आकर्षण का केंद्र बनते हैं। परिवारों के लिए यह आयोजन धार्मिक दर्शन के साथ सामूहिक आनंद का भी अवसर होता है। मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें ग्रामीण और शहरी संस्कृति का सुंदर मेल दिखाई देता है। आधुनिक राजधानी के बीच यह आयोजन आज भी छत्तीसगढ़ की परंपरागत जीवनशैली, सामूहिकता और सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखे हुए है।

धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से महादेव घाट का विशेष महत्व

महादेव घाट राजधानी रायपुर के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में शामिल है। प्राचीन हटकेश्वर महादेव मंदिर, खारून नदी का प्राकृतिक परिवेश, घाटों की सुंदरता और आसपास विकसित मनोरंजन सुविधाएं इसे धार्मिक श्रद्धालुओं के साथ पर्यटकों के लिए भी आकर्षक बनाती हैं। यहां स्थित लक्ष्मण झूला, नदी के तट पर विकसित उद्यान और भगवान शिव की विशाल प्रतिमा भी पर्यटकों को आकर्षित करती है। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का यह संगम महादेव घाट को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

छत्तीसगढ़ में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। महादेव घाट जैसे ऐतिहासिक स्थलों की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करने से स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सकता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की परंपरागत धार्मिक विरासत से नई पीढ़ी को परिचित कराने का अवसर भी मिलता है।

स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी मिलता है प्रोत्साहन

पुन्नी मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर है। मेले में लगने वाली छोटी-बड़ी दुकानों, पारंपरिक खाद्य पदार्थों, पूजा सामग्री, खिलौनों, हस्तनिर्मित वस्तुओं और अन्य उत्पादों की बिक्री से स्थानीय व्यापारियों तथा छोटे व्यवसायियों को लाभ मिलता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छोटे व्यापारी और विक्रेता ऐसे आयोजनों में अपनी वस्तुओं का विक्रय करते हैं। इस प्रकार पुन्नी मेला धार्मिक आस्था के साथ आर्थिक गतिविधियों और स्थानीय आजीविका को भी प्रोत्साहित करता है।

पीढ़ियों को जोड़ने वाली सांस्कृतिक धरोहर

महादेव घाट का पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी यह आयोजन अपनी पारंपरिक पहचान बनाए हुए है। यहां बुजुर्ग अपनी धार्मिक मान्यताओं और स्मृतियों के साथ पहुंचते हैं, वहीं बच्चे और युवा अपनी संस्कृति तथा लोक परंपराओं से परिचित होते हैं। यह मेला केवल एक दिन का धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाला सांस्कृतिक सेतु है। यहां आस्था के साथ अपनत्व, परंपरा के साथ उत्साह और धार्मिक भावना के साथ सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिलता है।

देव दीपावली: जब काशी के दीपों में पूरा ब्रह्मांड मुस्कुराता है...



डॉ. दीपक गोस्वामी

मंगलमय कार्तिक पूर्णिमा पर आकाश में पूर्ण चंद्रमा, धरती पर दीपों की पंक्तियाँ और गंगा की लहरों पर स्वर्णिम आभा। काशी के घाटों पर मानो आस्था ने प्रकाश का महाकाव्य लिख दिया है। यह केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, अंधकार से प्रकाश, अहंकार से समर्पण और स्वार्थ से परमार्थ की ओर जाने का महापर्व है। दीपावली अमावस्या में अपने घर को सजाती है, देव दीपावली पूर्णिमा में पूरे ब्रह्मांड को सजाने का बोध देती है।

लोकमान्यता है कि आज देवता काशी में गंगा तट पर दीपोत्सव मनाते हैं। हर दीप एक तारा बन जाता है। आशा का, विश्वास का, करुणा का, मानवता का। प्रश्न है, देवता कहाँ रहते हैं? क्या केवल मंदिरों में? नहीं। देवत्व वहाँ है जहाँ बेटा वृद्ध माँ का हाथ थामता है, जहाँ किसान मेहनत से दीप जलाता है, जहाँ अपरिचित दूसरे अपरिचित को सहारा देता है। देवता केवल पूजे नहीं जाते, देवत्व आचरण से प्रकट किया जाता है। यही देव दीपावली का मानवीय दर्शन है।

पुराणों में त्रिपुरासुर कथा है। तारकासुर के तीन पुत्रों ने सोने, चाँदी और लोहे के तीन दुर्ग बनाए। अत्याचार बढ़ा तो शिव ने एक बाण से तीनों पुरों का विनाश किया। उसी विजय के उत्सव को देव दीपावली कहा गया। हमारे भीतर भी तीन दुर्ग हैं-अहंकार, क्रोध और लोभ। अहंकार कहता है मैं ही श्रेष्ठ हूँ, क्रोध कहता है क्षमा नहीं करूँगा, लोभ कहता है और चाहिए। इन तीनों में चेतना बंदी है। जब विवेक अहंकार को भेदे, करुणा क्रोध को शांत करे और संतोष लोभ को जीते, तभी भीतर त्रिपुरांतक प्रकट होता है। जिस दिन भीतर के तीन पुर जीते, उसी दिन सच्ची देव दीपावली होगी।

काशी की आत्मा गंगा हैं। उन्हें केवल जलधारा समझना संस्कृति को सीमित करना है। वे आस्था, जीवन और सभ्यता की संवाहिका हैं। हिमालय से निकलकर नीचे की ओर बहना ही उनका संदेश है। गंगा देती हैं, रोकती नहीं। आज उनसे केवल वरदान न माँगें, संकल्प भी दें। दीपदान में प्लास्टिक, अपशिष्ट न डालें। नदी को स्वच्छ रखना ही सच्ची श्रद्धा है।

कार्तिक पूर्णिमा का चंद्रमा पूर्णता का प्रतीक है। पूर्णता का अर्थ दोषहीन होना नहीं, कमियों को पहचानकर बेहतर बनना है। आधा सत्य नहीं, सत्यनिष्ठा। आधा प्रेम नहीं, सम्मान। आधी करुणा नहीं, संवेदना। आधी जिम्मेदारी नहीं, कर्तव्य। चंद्रमा स्वयं प्रकाशित नहीं, सूर्य का प्रकाश परावर्तित करता है। मनुष्य भी ज्ञान और संस्कार का प्रकाश लेकर संसार को रोशन कर सकता है।

उत्सव के केंद्र में वह अंतिम जन होना चाहिए, जिसके घर बिजली नहीं, मजदूरी पूरी नहीं, किसान जो अनिश्चितता में है, वृद्ध जो अकेला है, विधवा जो संघर्ष में है, बच्चा जिसके सपने हैं पर अवसर नहीं। क्या देव दीपावली केवल सजे घाटों की है? नहीं। जब तक अंतिम जन के घर में आशा का दीप नहीं जलेगा, हमारी सामाजिक देव दीपावली अधूरी है। एक दीप अपने घर, एक जरूरतमंद के घर। एक थाली अपने लिए, एक भूखे के लिए। एक वस्त्र अपने बच्चे को, एक मुस्कान किसी और बच्चे को। धर्म इस बात से नहीं कि कितने दीप जलाए, बल्कि कितने जीवन रोशन हुए, इससे मापा जाता है।

दीप जाति नहीं पूछता, चंद्रमा आर्थिक स्थिति नहीं देखता, गंगा प्रतिष्ठा देखकर जल नहीं बाँटती। प्रकृति का यही न्याय समानता सिखाता है। मंगलमय राज वही है जहाँ किसान की फसल सुरक्षित हो, मजदूर को उचित मजदूरी, नारी को सम्मान, वृद्धों को सहारा, बच्चों को शिक्षा मिले। जहाँ दीप जलें पर चूल्हे ठंडे न हों, घंटियाँ बजे पर गरीब की पुकार अनसुनी न हो, आरती हो पर गंगा प्रदूषित न हो।

ब्रह्मांड विराट है, मनुष्य छोटा दिखता है,पर उसके कर्म की शक्ति असाधारण है। एक विचार परिवार की दिशा,एक शिक्षक पीढ़ी का भविष्य, एक ईमानदार व्यक्ति संस्थान की संस्कृति बदल सकता है। अपने दीप को छोटा न समझें। आपका एक शब्द टूटता संबंध बचा सकता है, एक क्षमा वर्षों का बोझ हल्का कर सकती है।

इस पूर्णिमा पर केवल दर्शक न रहें, प्रकाश के वाहक बनें। संकल्प लें - परिवार में प्रेम, व्यवहार में मधुरता, विचार में शुद्धता, कर्म में ईमानदारी, प्रकृति की रक्षा और अंतिम जन तक अवसर पहुँचाना। कोई भूखा न सोए, कोई अकेला न हो, कोई उपेक्षित न रहे, गरीबी अपराध न समझी जाए। संस्कृति उत्सवों में नहीं, आचरण में दिखे। आध्यात्मिकता प्रार्थना में नहीं, परोपकार में प्रकट हो। क्योंकि सबसे बड़ा दीप मिट्टी का नहीं, चरित्र का है। घाटों के दीप बुझ जाएँगे, गंगा बह जाएगी, चंद्रमा बदल जाएगा, उत्सव समाप्त होगा। पर करुणा का जलाया दीप किसी जीवन में स्थायी प्रकाश बन गया तो देव दीपावली संस्कृति बन गई। काशी प्रकाश दिखाती है, गंगा प्रवाह, शिव अहंकार-विनाश और पूर्णिमा पूर्णता की प्रेरणा देती है। निर्णय हमारा है- दीपों को देखना है या स्वयं दीप बनना है।

नव वामपंथियों के निशाने पर लोकतंत्र

अवधेश कुमार। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गत दिनों अमेरिका में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, चुनाव प्रणाली और अर्थव्यवस्था आदि पर जो टिप्पणियां कीं, वे उनकी भावी राजनीतिक दिशा का संकेत देती हैं। हाल में हैदराबाद में भारत समिट-2026 आयोजित कर उन्होंने इसे वैश्विक अभियान का रूप देने का प्रयास किया। समिट की थीम थी-एक नए विश्व का निर्माण। कांग्रेस ने इसे वैश्विक न्याय, लोकतंत्र, बहुपक्षवाद, मतदाताओं के अधिकार और नफरत की राजनीति के खिलाफवैकल्पिक विचारों का मंच बताया। इससे उसका वास्तविक उद्देश्य समझना कठिन नहीं है।



इसी समिट के मंच से इटली की पार्टी आफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो पिलिबेक ने जिस अंदाज में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दिया, वह राहुल गांधी की शैली जैसा ही था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े हैं। आखिर इस समर्थन का मतलब क्या है? यह किसी विदेशी का विपक्ष के माध्यम से भारत के आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप है। राहुल गांधी ने सामने बैठे हुए जिस तरह मुस्कुराकर ताली बजाई, उससे लगता है कि वे अब इसी रास्ते पर चलने वाले हैं। आज पूरी दुनिया में एक अजीब किस्म के नव वामपंथी उभरे हैं। ये खुद को उदारवादी और वैकल्पिक विचारों का प्रतिनिधि बताते हैं। कुछ देशों की सरकारों में भी इनकी मौजूदगी है। यूरोप से लेकर अमेरिका, अफ्रीका और एशिया तक कट्टर इस्लामवादी भी इनके साथ दिखाई दे रहे हैं और अपना एजेंडा आगे बढ़ा रहे हैं। राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की शुरुआत 2017 से कराई गई। इन लोगों से उनका संपर्क और संबंध बना और तब से उनकी भाषा और व्यवहार में बदलाव साफदिखाई देता है। वे विदेश में भारत विरोधियों से मिलने में न हिचकते हैं और न ही लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार आदि के नाम पर अपने देश की निंदा करने से। यह एक ऐसी चुनौती है, जिससे निपटने के रास्ते तलाशने होंगे। इन नव वामपंथियों के निशाने पर केवल अपने देश के राष्ट्रवादी ही नहीं, बल्कि वे नेता और देश भी हैं, जो अपनी सभ्यता, संस्कृति और क्षमता के बल पर श्रेष्ठ स्थान बनाने का माद्दा रखते हैं और अपने लोगों में आत्मविश्वास पैदा करते हैं। लगता है कि कांग्रेस में इसी श्रेणी के रणनीतिकारों ने राहुल गांधी को भारत में ऐसा सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि यह स्थापित किया जा सके कि देश के साथ-साथ विदेश में भी उनके संपर्क, सम्मान और अभियान को व्यापक समर्थन प्राप्त है। आने वाले समय में ऐसे कार्यक्रम और अभियान और भी देखने को मिल सकते हैं। हालांकि भारत समिट के लिए कांग्रेस को देश-दुनिया में वैसा समर्थन नहीं मिला, जैसी तैयारी की गई थी। विजन के नाम पर राहुल गांधी ने जो कुछ कहा, उसमें वैश्विक दृष्टि की गंभीर झलक नहीं थी। वस्तुत: मोदी सरकार को फासीवादी सरकार के रूप में प्रचारित करने के प्रयास को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने समिट में कहा, फासीवादी लोगों की आवाज तेज होती है। पिछले एक दशक से फासीवादी लोग चिल्ला रहे हैं और अधिकांश जनता देख रही है कि हो क्या रहा है। 2014 के चुनाव में पहली बार देखा कि करोड़ों डालर खर्च हो रहे हैं। यह देख हम हैरान थे। यहां राहुल गांधी से पूछा जाना चाहिए कि उस समय तो केंद्र में उनकी सरकार थी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति भी उनके शासनकाल में होती थी, फिर ऐसा कैसे हो गया? उन्होंने आगे कहा, मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि हम मोदी को हराने जा रहे हैं। उन्हें मोदी और अमित शाह की आंखों में डर दिखाई दे रहा है और वह भी हार का! वास्तव में वे इस तरह देश और विदेश में लोगों के भीतर यह भाव पैदा करना चाहते हैं कि तीन बार हारने के बाद अब वे जीतकर सरकार में आने वाले हैं। उथल-पुथल पैदा करने से लेकर चुनावों तक, इस तरह के माहौल का सामूहिक मनोविज्ञान पर प्रभाव पड़ता है। यही उनकी रणनीति है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बार संघ कठूमर में बैठक, प्रकरणों के निस्तारण पर जोर

12 दिसंबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिक से अधिक प्रकरणों को आपसी सहमति से निस्तारित कराने के लिए अधिवक्ताओं को किया प्रेरित

कठूमर। तालुका विधिक सेवा समिति कठूमर की ओर से आगामी 12 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सोमवार को बार संघ कठूमर में बैठक आयोजित की गई। बैठक तालुका विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष एवं अपर जिला न्यायाधीश उदय सिंह अलोरिया के निर्देशानुसार हुई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निस्तारण कराने पर जोर दिया गया। अधिवक्ताओं को प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को लोक अदालत में रैफर करवाने तथा पक्षकारों के बीच समझाइश कर विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी 12 दिसंबर को देशभर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों का आपसी सहमति से निस्तारण किया जाएगा। बैठक में अधिवक्ताओं से अधिकाधिक प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रस्तुत करवाने तथा लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के लिए सहयोग करने का आह्वान किया गया। लोक अदालत के माध्यम से आमजन को सुलभ, त्वरित एवं कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कठूमर युधिष्ठिर मीना, तालुका विधिक सेवा समिति की सचिव रुचि शर्मा, योगेश चौहान सहित अधिवक्ता महेंद्र सिंह कपासिया, तेजसिंह राठी, ओमवीर सिंह फौजदार, गिरधारीलाल शर्मा, ललित मोहन शर्मा, सत्येंद्र सिंह चौधरी, श्याम सिंह चौहान, भवानी शंकर शर्मा एवं सुभाष चंद कठूमर उपस्थित रहे।

मंडावर में प्रधान की कुर्सी पर कांग्रेस में सियासी संग्राम! दो दावेदारों ने बढ़ाई पार्टी की मुश्किलें

बहुमत के बावजूद कांग्रेस में खींचतान, दो खेमों में बंटी पार्टी; अपने-अपने समर्थकों को लामबंद करने में जुटे दावेदार, भाजपा की भी पूरे घटनाक्रम पर नजर...

स्मार्ट हलचल

मंडावर (दौसा)। मंडावर पंचायत समिति में प्रधान पद का चुनाव अब केवल राजनीतिक पद हासिल करने की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि कांग्रेस के भीतर वर्चस्व और राजनीतिक ताकत दिखाने का बड़ा मुकाबला बनता नजर आ रहा है। पंचायत समिति चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के बाद कांग्रेस के सामने प्रधान की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता आसान माना जा रहा था, लेकिन पार्टी के भीतर दो नेताओं की दावेदारी ने पूरे राजनीतिक समीकरण को उलझा दिया है। अब सवाल यह नहीं है कि कांग्रेस प्रधान बना पाएगी या नहीं, बल्कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कांग्रेस के किस खेमे के सिर प्रधान पद का ताज सजेगा?

दो दावेदार, दो खेमे और एक प्रधान की कुर्सी

मंडावर की राजनीति में इन दिनों कांग्रेस के दो संभावित दावेदारों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। दोनों ही पक्ष अपने-अपने राजनीतिक संपर्कों और समर्थकों के दम पर प्रधान पद की दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं। पार्टी के भीतर अलग-अलग राय सामने आने से कांग्रेस की एकजुटता पर भी सवाल उठने लगे हैं। एक तरफ एक दावेदार के समर्थक अपने नेता के पक्ष में माहौल बनाने में लगे हैं, तो दूसरी तरफ दूसरे खेमे ने भी अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है। दोनों पक्षों की नजर पंचायत समिति के सदस्यों के समर्थन पर टिकी हुई है। ऐसे में प्रधान पद का चुनाव कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है।

10 सदस्यों का बहुमत, फिर भी क्यों बढ़ी बेचैनी

मंडावर पंचायत समिति में कुल 15 वार्ड हैं। चुनाव परिणाम में कांग्रेस ने 10 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जबकि भाजपा के खाते में 3 सीटें आईं और 2 निर्दलीय सदस्य निर्वाचित हुए। प्रधान बनने के लिए 8 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। संख्याबल के हिसाब से कांग्रेस मजबूत स्थिति में है, लेकिन पार्टी के भीतर दावेदारी की खींचतान ने राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो बहुमत हासिल करना एक बात है, लेकिन सभी निर्वाचित सदस्यों को एक साथ लेकर चलना दूसरी बात है। यदि पार्टी के दोनों खेमों के बीच समय रहते सहमति नहीं बनी तो प्रधान पद का चुनाव दिलचस्प मोड़ ले सकता है।

भाजपा की नजर कांग्रेस के अंदरूनी समीकरण पर

कांग्रेस में चल रही दावेदारी की खींचतान के बीच भाजपा भी पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। भाजपा के पास भले ही संख्याबल कम हो, लेकिन कांग्रेस के भीतर पैदा हुई असहमति चुनावी रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकती है। वहीं दो निर्दलीय सदस्यों की भूमिका को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं हो रही हैं।

27 नवंबर को होगा प्रधान पद का फैसला

अब सभी की निगाहें 27 नवंबर पर टिकी हैं। इसी दिन यह साफ होगा कि कांग्रेस अपने दोनों दावेदारों में से किसे मैदान में उतारती है और पार्टी के सदस्य किसके पक्ष में एकजुट होते हैं। क्या कांग्रेस आपसी सहमति से प्रधान का चुनाव कराएगी या आखिरी समय तक खेमेबाजी जारी रहेगी?

मंडावर की सियासत में इस समय कई सवाल तैर रहे हैं

- क्या कांग्रेस के दोनों दावेदारों में किसी एक नाम पर सहमति बनेगी?
- क्या पार्टी नेतृत्व दोनों खेमों को एक मंच पर ला पाएगा?
- क्या भाजपा कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान का फायदा उठा पाएगी?
- क्या निर्दलीय सदस्यों की भूमिका निर्णायक साबित होगी?

फिलहाल मंडावर में प्रधान की कुर्सी को लेकर कांग्रेस के भीतर ही सियासी मुकाबला तेज है। बहुमत कांग्रेस के पास है, लेकिन प्रधान कौन बनेगा, इस पर अभी सस्पेंस बरकरार है। अब देखना होगा कि 27 नवंबर को प्रधान पद का ताज किसके सिर सजेगा और किस खेमे की राजनीतिक ताकत भारी पड़ेगी।

सलाखों के पीछे भी सेहत की फिक्र, बंदियों की जांच के लिए चला चिकित्सा अभियान

SPANDAN के तहत जिला कारागृह में स्वास्थ्य शिविर, बीपी-शुगर की जांच के साथ बीमार बंदियों को उपचार के लिए किया रेफर

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची

ब्यावर। अपराध की सजा के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं से कोई बंदी वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से जिला कारागृह ब्यावर में सोमवार को SPANDAN अभियान के तहत स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में आयोजित शिविर में राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय की चिकित्सा टीम ने बंदियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। सचिव एवं अपर जिला न्यायाधीश सोनल पारिख के पर्यवेक्षण में आयोजित शिविर में डॉ. आलोक श्रीवास्तव, डॉ. संजय के. सिंह तथा नर्सिंग ऑफिसर चेतन, रघुवीर एवं करण ने बंदियों का परीक्षण किया। इस दौरान ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच की गई तथा बंदियों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली गई। बुखार एवं अन्य बीमारियों से पीड़ित पाए गए बंदियों को आगे की जांच और उपचार के लिए राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय रेफर किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार SPANDAN अभियान के तहत अब जिला कारागृह में प्रत्येक माह पाक्षिक रूप से चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके माध्यम से बंदियों को नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श और समय पर उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।



चंदेरिया में खस्ताहाल सड़क बनी हादसों का कारण, गड्ढों में फिसलकर रोज दुर्घटनाग्रस्त हो रहे राहगीर

पुठोली निवासी भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अंबालाल सालवी स्कूटी से फिसलकर हुए घायल, पैर की हड्डी में फ्रैक्चर; अक्षर हॉस्पिटल में भर्ती...

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। चंदेरिया में अशोका लीलैंड के पास गिल होटल के सामने मुख्य सड़क की खस्ताहाल स्थिति राहगीरों के लिए मुसीबत बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। रविवार 22 नवंबर की शाम करीब 6 बजे पुठोली निवासी मार्बल व्यवसायी एवं भारतीय जनता पार्टी के साडास मंडल उपाध्यक्ष अंबालाल जलवानिया स्कूटी से गुजरते समय सड़क के गड्ढों के कारण फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। हादसे में उनके पैर की हड्डी टूट गई। उन्हें उपचार के लिए अक्षर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। यह सड़क क्षेत्र का प्रमुख मार्ग है, जहां से दिन-रात बड़ी संख्या में राहगीरों, श्रमिकों और व्यवसायियों का आवागमन रहता है। आसपास बिरला सीमेंट और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड जैसे बड़े औद्योगिक संयंत्र होने के कारण इस मार्ग पर भारी वाहनों सहित कर्मचारियों और आम नागरिकों की आवाजाही लगातार बनी रहती है। इसके बावजूद सड़क की बदहाल स्थिति जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय स्तर पर सड़क की दुर्दशा को लेकर चिंता जताई जा रही है। सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार विभाग और प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार क्यों कर रहे हैं? सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों की जान जोखिम में बनी हुई है और आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। स्वतंत्र लेखक एवं भारतीय मिशन मीडिया भारत से जुड़े मदन सालवी ओजस्वी ने नगर परिषद चित्तौड़गढ़, सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) तथा स्थानीय जिम्मेदार पार्षदों का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित किया है। उन्होंने मांग की कि संबंधित विभाग तत्काल सड़क का निरीक्षण कर मरम्मत करवाएं, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से पहले इस समस्या का समाधान हो सके।



जावदा में मतगणना के बाद मतदानकर्मियों से मारपीट और तोड़फोड़, शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

जिला निर्वाचन अधिकारी से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग, चुनावी व्यवस्थाओं में सुधार के भी दिए सुझाव

स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। हाल ही में संपन्न पंचायतराज निर्वाचन के चतुर्थ चरण में भैंसरोड़गढ़ ब्लॉक की जावदा ग्राम पंचायत में सरपंच चुनाव की मतगणना के बाद मतदानकर्मियों के साथ हुई मारपीट और तोड़फोड़ की घटना को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील ने कड़ा आक्रोश जताया है। संगठन ने प्रदेश कोषाध्यक्ष कालूराम खटीक के नेतृत्व में जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर घटना में शामिल आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष गोपेश ने बताया कि मतगणना के बाद असामाजिक तत्वों ने मतदानकर्मियों पर हमला कर दिया। इस हिंसक घटना में कई कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम में हार की आशंका के चलते कुछ लोगों ने एकराय होकर मतदानकर्मियों पर जानलेवा हमला किया। हमलावरों ने कमरे में रखा फर्नीचर तहस-नहस कर दिया तथा पंखे भी तोड़ दिए। आरोप है कि मतदानकर्मियों पर भाले, धारदार हथियारों और लाठियों से हमला किया गया। कर्मचारियों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा। घायल कर्मचारियों को किसी तरह निकटवर्ती चिकित्सालयों में पहुंचाकर उपचार कराया गया। संगठन पदाधिकारियों ने इस घटना को बेहद निंदनीय और लोकतांत्रिक निर्वाचन प्रक्रिया की गरिमा के खिलाफ बताया। उन्होंने मांग की कि घटना में लिप्त सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में चुनाव ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। ज्ञापन देने वालों में संभाग महामंत्री घनश्याम गर्ग, जिला मंत्री गिरीराज सोमानी, ब्लॉक प्रवक्ता गोवर्धनलाल आचार्य, उपशाखा मंत्री राजुलाल तेली, ब्लॉक अध्यक्ष गणेश उनियारा, श्यामसिंह राजपूत, कपासन अध्यक्ष पुरुषोत्तम लक्षकार, अनिल बारेसा, उमेश चाष्टा, जयदीप शर्मा, फतेहसिंह सोलंकी एवं सूर्यकांत तोलम्बिया सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। संगठन ने भविष्य में होने वाले चुनावों के दौरान मतदानकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चुनावी व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के सुझाव भी दिए।



मो. शोयब खान का अंडर-23 राजस्थान टीम में चयन, 21 गेंदों पर जड़े नाबाद 61 रन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर सिटी। जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर के खिलाड़ियों की इस सत्र में लगातार सफलता का सिलसिला जारी है। जिले के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शोयब खान का अंडर-23 बॉयज टी-20 वर्ग में राजस्थान टीम के लिए चयन हुआ है। अपनी शानदार बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के दम पर शोयब खान ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। कैंप के अभ्यास मैच में शोयब खान ने 21 गेंदों पर नाबाद 61 रन की तूफानी पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अब वे पुणे में होने वाले मुकाबलों में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सत्र में जिले के तीन खिलाड़ियों का राजस्थान टीम में चयन हुआ है। इससे पहले अंडर-16 वर्ग में निधिश राज और अंडर-19 वर्ग में रक्षित श्रीमाल राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। शोयब खान के चयन पर जिला क्रिकेट संघ सवाई माधोपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रजनीकांत जैन, सचिव डॉ. दीपक राज, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष मनोज बंसल एवं शरद माथुर, संयुक्त सचिव सूर्य प्रकाश शर्मा एवं जितेंद्र उपाध्याय, कार्यकारिणी सदस्य नीरज मिश्रा, वरिष्ठ खिलाड़ी राजीव नरुका, नरेंद्र गोगा, अभिताभ सिंह राठौर, रवि गुर्जर, रूपा चाचा, राजेंद्र महावर, केशव पीटीआई, मुजम्मिल पीटीआई, वीरेंद्र गुर्जर, अरुण चौधरी, लोकेश मीना, मलूका जैन, मोहम्मद अनीश, सुरेंद्र चौधरी, एनोस हरमन, सफी पीटीआई, अमित गुर्जर, मोनू असगर, अमित चौधरी, अनवर अली, सलमान खान, हनुमान माली, राजेश मीना, अरुण गोयल, कुंदन कुमावत, शाहरुख सहित अन्य खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों ने आतिशबाजी कर मिठाई खिलाई और हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर मोहम्मद शोयब खान ने जिला क्रिकेट संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सचिव डॉ. दीपक राज का आभार व्यक्त किया।



मंजू मीणा बनीं राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच की राष्ट्रीय प्रवक्ता

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच (NAEM) ने संगठनात्मक विस्तार और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से मंजू मीणा को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष यशवंत सिंह दरबार के निर्देशन में राष्ट्रीय महासचिव राकेश मीणा (वरिष्ठ पत्रकार) ने उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया। राष्ट्रीय महासचिव राकेश मीणा ने विश्वास जताया कि मंजू मीणा राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में संगठन की विचारधारा, नीतियों एवं सामाजिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से देशभर में प्रस्तुत करेंगी। साथ ही आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, सामाजिक एकता, महिला सशक्तीकरण और जनजातीय हितों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच देशभर में आदिवासी समाज को एकजुट करने, युवाओं एवं महिलाओं को संगठन से जोड़ने तथा शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। संगठन में नई जिम्मेदारियां देकर योग्य एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। मंजू मीणा की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



स्टेट मेगा हाईवे की सड़क जर्जर, फिर भी हो रही है टोल वसूली

सूरौठ। कस्बा सूरौठ में होकर गुजर रहे भरतपुर गंगापुर स्टेट मेगा हाईवे की सड़क जर्जर होने की वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं। हिंडौन से बयाना के बीच सड़क क्षतिग्रस्त होने के बावजूद भी धंधावली टोल प्लाजा पर मनमानी टोल वसूली की जा रही है। वाहन चालकों का कहना है कि जब सड़क पूरी तरह टूटी हुई है तो आरएसआरडीसी की ओर से टोल वसूली किया जाना बिल्कुल ग़लत है। स्टेट हाईवे पर हिंडौन से बयाना के बीच सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई है एवं स्थान स्थान पर गड्ढों की भरमार है । आरएसआईडीसी अधिकारियों को कई बार अवगत कराने के बावजूद भी जर्जर सड़क की समस्या का समाधान नहीं करवाया जा रहा है। लोगों का कहना है कि आरएसआरडीसी के अधिकारी सूरौठ कस्बे में भरतपुर गंगापुर स्टेट मेगा हाईवे पर हो रहे गहरे गड्ढों की वजह से बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। कस्बे के लोगों की ओर से मेगा हाईवे सड़क को दुरुस्त करवाने की मांग को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन किए जाने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है। जिससे आमजन में गहरा रोष व्याप्त है। कई स्थानों पर सड़क पर गंदे पानी व कीचड़ का जमाव होने की वजह से वाहन चालकों को गहरे गड्ढों का भी पता नहीं लग रहा है तथा आए दिन वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। आए दिन वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं इसके बावजूद भी आरएसआरडीसी के अधिकारियों की कुंभकरणी नींद अभी तक नहीं खुली है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। क्षेत्र के लोगों ने आरएसआरडीसी के अधिकारियो से भरतपुर गंगापुर स्टेट मेगा हाईवे सड़क का पुनर्निर्माण करवाने की मांग की है।

दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस ओबीसी विभाग की अहम जूम बैठक आज

स्मार्ट हलचल

जयपुर आगामी 28 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल महारैली और 'मेरी सही गिनती करो' अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) की एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन जूम बैठक मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को दोपहर 2:00 बजे आयोजित की जाएगी।

ओबीसी विभाग के चेयरमैन हरसहाय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष बैठक में प्रख्यात चिंतक एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री योगेंद्र यादव मुख्य रूप से जुड़ेंगे। वे बैठक में अभियान की रूपरेखा, प्रमुख मांगों और दिल्ली महारैली की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे।

पदाधिकारियों ने बताया कि इस बैठक में प्रदेश के समस्त संभाग अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी और जिला अध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित चार बिंदुओं पर रणनीतिक चर्चा की जाएगी:

अलग कॉलम की मांग: आगामी जनगणना में ओबीसी (OBC) वर्ग की सटीक गणना के लिए अलग से कॉलम सुनिश्चित करवाना।

ड्रॉप-डाउन मेन्यू: सभी जातियों की बिना किसी त्रुटि के गणना के लिए ड्रॉप-डाउन मेन्यू की व्यवस्था लागू करवाने की मांग।

महारैली में भागीदारी: 28 नवंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में राजस्थान से अधिकाधिक संख्या में कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

संगठनात्मक रणनीति: अभियान को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपना और जनसंपर्क की ठोस रणनीति तैयार करना।

ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश संगठन महासचिव सागर मावर और प्रदेश प्रवक्ता डॉ. नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट ने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया है कि वे समय पर इस जूम बैठक में जुड़कर 'मेरी सही गिनती करो - OBC को उसका अधिकार दो' अभियान को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

कोटा विकास प्राधिकरण और नगर निगम की बड़ी कार्रवाई : सब्जी मंडी क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण ध्वस्त

स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) और नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ आज एक बड़ा संयुक्त अभियान चलाया। केडीए आयुक्त बचनेश कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार, आज शहर के सब्जी मंडी क्षेत्र में केडीए की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों और निर्माणों को चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई की गई।

सब्जी मंडी क्षेत्र बना मुख्य केंद्र

सब्जी मंडी स्थित हाजिरा बस्ती के पास जे.पी. मार्केट की पार्किंग में लंबे समय से अवैध रूप से कबाड़ की दुकानें संचालित की जा रही थीं। केडीए सचिव मुकेश कुमार चौधरी ने बताया कि अतिक्रमणकारियों को पूर्व में कई बार मुनादी कराकर और पाबंद करके अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके, जब उन्होंने अवैध निर्माण नहीं हटाया, तो प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए आज संयुक्त रूप से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

व्यावसायिक केंद्रों से हटाए अवैध रैंप

कार्रवाई के दौरान केवल कबाड़ की दुकानें ही नहीं, बल्कि सब्जी मंडी के जे.पी. मार्केट, स्वर्ण रजत मार्केट, जी.एम.ए. प्लाजा और न्यू क्लॉथ मार्केट के दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध रैंपों को भी तोड़कर हटाया गया। इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया।

प्रशासन की मौजूदगी

इस संयुक्त अभियान के दौरान केडीए की उपायुक्त श्रीमती शिक्षा पवन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तरुण कांत सोमानी, केडीए तहसीलदार ललित किशोर नागर, वृत्ताधिकारी (वृत्त तृतीय) रुद्रप्रकाश शर्मा, कोतवाली थानाधिकारी देशराज सिंह, महिला थानाधिकारी सुभाष चंद्र सहित नगर निगम और केडीए की तकनीकी टीम व पुलिस बल भारी संख्या में मौजूद रहा।क्या आप इस समाचार के लिए कोई शीर्षक सुझाव चाहते हैं या इसे किसी और शैली (जैसे वेब न्यूज़ या सोशल मीडिया पोस्ट) में बदलना चाहते हैं

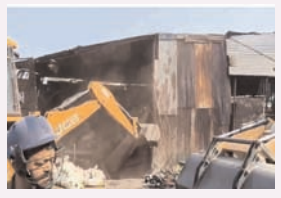

रविन्द्रनाथ मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में सुपर सब स्पेशियलीटी का उद्घाटन...

स्मार्ट हलचल

उदयपुर । रविन्द्रनाथ मेडिकल कॉलेज के बाल चिकित्सालय में सोमवार को सुपर सब स्पेशियलियटी का उद्घाटन किया गया। जिकसे अन्तर्गत (पिडियाट्रीक कार्डियोलॉजी/ न्यूरोलॉजी/ न्युनेटोलॉजी एवं मधुहारी क्लिनिक) का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रहुल जेन, एवं चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. आर.एल. सुमन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में ऑपथलमोलोजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. बैरवा, कार्डियोलॉजी विभाग के आचार्य डॉ. अर्चना गोखरू, न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. तरूण कुमार रलोत एवं शिशुरोग विभाग के नवनिर्वाचित संकाय सदस्यों को पगड़ी व उपरना पहनाकर स्वागत किया गया एवं स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस दौरान शिशुरोग विभाग के समस्त चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बाल चिकित्सालय के विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक अरोरा ने बताया की समस्त उदयपुर संभाग-चित्तौड़गढ, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, राजसमन्द, सलुम्बर, सिराही व डुंगरपुर मेडिकल कॉलेज से मरीज रेफर होकर आते है इसलिये भविष्य में आर.एन.टी मेडिकल कॉलेज एक रेफरल एवं ट्रेनिंग सेन्टर बन सकता है व इस सुपर सब स्पेशियलीटी के उद्घाटन से ज्यादा से ज्यादा मरीजो को इसका लाभ मिलेगा। डॉ. विवेक अरोरा ने अपने विचार रखते हुऐ कहा कि सरकार की मंशा बिल्कुल साफ है कि बच्चे ही देश के भविष्य है उनका स्वास्थ्य ठीक रहे यही उद्वेश्य है। उन्होंने बताया की विभाग में न्युरो संबंधी उपचार डॉ. भुपेश जैन व नितु, कार्डियोलोजी संबंधी उपचार डॉ. राजेन्द्र चंदेल एवं डॉ. यामिनी खिची, न्युनेटोलोजी संबंधी डॉ. विवेक अरोरा, डॉ. मोहम्मद आसिफ, डॉ. निशान्त डांगी एवं मधुहारी क्लिनिक संबंधी कार्य डॉ. अनुराधा सानाढ्य व डॉ. नेहा आसोरा द्वारा संपादित किया जा रहा है। इसके साथ ही बाल चिकित्सालय के 50 बेड नर्सरी में रोप स्क्रीनिंग एंड ट्रीटमेंट सेंटर भी शुरु किया गया जिसमे ऑपथलमोलोजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. बैरवा व उनकी सहायक आचार्य डॉ. अनुश्री द्वारा नवजात शिशुओ का उपचार किया जायेगा। इससे पहले स्क्रीनिंग एंड ट्रीटमेंट ऑपथलमोलोजी विभाग में किया जाता था जिससे नवजात शिशुओ को असुविधा व कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था एवं इससे नवजात शिशुओ का शरीर का तापमान कम हो जाता था।

महाविधालय के प्राचार्य डॉ. राहुल जैन, एवं अधीक्षक डॉ. आर.एल.सुमन ने अपने संबोधन में इस कार्य हेतु राज्य सरकार द्वारा लिये गये निर्णय से जनसेवा के लिये पिडियाट्रीक कार्डियोलोजी व पिडियाट्रीक न्युरोलोजी को अच्छा बताया व कहा की राजस्थान के सभी महाविधालयों में से सबसे पहले इस महाविधालय में इसकी शुरुआत कि गई है। प्राचार्य महोदय ने बताया कि चीफ सेक्रेटरी के द्वारा इस संबंध में स्वयं संज्ञान लेते हुऐ आवश्यक निर्देश जारी किये गये जिससे संभाग के पिछड़े वर्ग व गरीब वर्ग के लोगो को इससे बहुत प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवाए उपलब्ध करवाई जा सकेगी।



जिला परिषद वार्ड 13 मतगणना विवाद

धाकड़ समाज ने निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग को लेकर एडीएम को सोपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

सुनेल,23 नवम्बर । धाकड़ समाज के तत्वाधान में जिला मुख्यालय पहुंचकर पुनः मतगणना तथा न्याय की निष्पक्ष मांग को लेकर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर को राज्य निर्वाचन आयुक्त जयपुर के नाम समाज के लोगों झालरापाटन स्थित धाकड़ छात्रावास में एकत्रित होकर वहां से रैली के रूप में जिला मुख्यालय पहुंचकर ज्ञापन सोपा गया ।

समाज के लोगों के द्वारा ज्ञापन में बताया गया कि

झालावाड़ जिला परिषद वार्ड संख्या 13 की मतगणना में कथित अनियमितताओं एवं परिणाम में हेराफेरी के आरोपों को लेकर गहरा रोष व्यक्त किया गया। समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया



कि मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच और कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिमा कुमारी नागर को न्याय दिलाने की मांग को लेकर राज्य निर्वाचन आयुक्त, राजस्थान के नाम जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। जिला परिषद चुनाव के वार्ड संख्या 13 की मतगणना के दौरान निर्वाचन अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। समाज का आरोप है कि प्रारंभिक मतगणना में कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती प्रतिमा कुमारी नागर को 322 मतों से विजयी घोषित किया गया था। मतगणना के प्रत्येक राउंड और बूथ के आंकड़े कांग्रेस प्रत्याशी के एजेंट द्वारा लिखित रूप में दर्ज किए गए थे। यह मतगणना शीट साक्ष्य के रूप में उपलब्ध होने का दावा किया गया है। प्रारंभिक परिणाम की जानकारी मीडिया को भी दी गई थी।

एक बूथ के आंकड़ों में बदलाव पर उठाए सवाल

समाज की ओर से तैयार ज्ञापन में बताया गया कि प्रारंभिक मतगणना के विवरण के अनुसार एक बूथ पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिमा नागर को 526 मत तथा भाजपा प्रत्याशी मीनाक्षी झाला को 99 मत मिले थे। आरोप है कि पुनः मतगणना के बाद इसी बूथ के आंकड़ों में बदलाव करते हुए कांग्रेस के मत 526 से घटाकर 326 और भाजपा के मत 99 से बढ़ाकर 299 दर्शाए गए। समाज का कहना है कि मतों के इन बदले हुए आंकड़ों के आधार पर अंततः भाजपा प्रत्याशी को 84 मतों से विजयी घोषित कर दिया गया।

मतगणना रोकने और प्रमाणित दस्तावेज नहीं देने पर भी नाराजगी---

ज्ञापन में सवाल उठाए गए कि प्रारंभिक परिणाम घोषित होने और मीडिया को जानकारी दिए जाने के बाद मतगणना किस आधार पर रोकी गई तथा पुनः मतगणना की मांग किसने की थी। समाज की ओर से आरोप लगाया गया कि कांग्रेस प्रत्याशी के मतगणना एजेंटों ने अंतिम परिणाम एवं पुनः मतगणना से संबंधित प्रमाणित दस्तावेज मांगे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई। यहां तक कि पुलिस अधिकारियों द्वारा उन्हें मतगणना स्थल के अंदर जाने से भी रोके जाने का आरोप लगाया गया। समाज ने आरोप लगाया कि मतगणना से संबंधित प्रमाणित दस्तावेज एवं गणना लेखा सूची उपलब्ध नहीं करवाना पूरी प्रक्रिया को संदेह के घेरे में खड़ा करता है। ज्ञापन के माध्यम से मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया, बूथ वार आंकड़ों में हुए बदलाव और अंतिम परिणाम की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की जाएगी। धाकड़ समाज ने पूरे घटनाक्रम की घोर निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता के मताधिकार और जनादेश की निष्पक्षता सर्वोपरि है। किसी भी प्रत्याशी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। समाज ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रतिमा कुमारी नागर के पक्ष में न्याय की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच होने तथा पुन मतगणना करने तक संघर्ष में सहयोग एवं समर्थन देने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। इस दौरान सैकड़ो की तादाद में धाकड़ समाज के लोग मौजूद रहे।

घर-आंगन के साथ जरूरतमंदों के जीवन में भी जले खुशियों के दीप



'एक दीप सेवा के नाम' से जगाई मानवता की अलख, कोटा सोशल वेलफेयर फोरम का दीपावली मिलन

स्मार्ट हलचल

कोटा। रोशनी के पर्व दीपावली को सामाजिक सरोकारों और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ते हुए कोटा सोशल वेलफेयर फोरम की ओर से दीपोत्सव-2026 का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। 'एक दीप सेवा के नाम' की विशेष थीम पर आयोजित समारोह में सेवा, सहयोग और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियों का उजाला फैलाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फोरम अध्यक्ष डॉली मदनानी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रिगेडियर नरिंदर कपूर उपस्थित रहे। सचिव सुशील मेहता ने आयोजन की व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह का शुभारंभ मेघा शर्मा की गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दीपोत्सव की खुशियों में रंग भर दिए। मिशिका ने कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों की सराहना बटोरी, वहीं मधु एवं रामकांत शर्मा की युगल नृत्य प्रस्तुति ने समारोह में विशेष आकर्षण पैदा किया। आयोजन की मुख्य विशेषता 'एक दीप सेवा के नाम' अभियान रहा। इसके माध्यम से सदस्यों ने संदेश दिया कि दीपावली पर घरों को रोशन करने के साथ समाज के उन लोगों के जीवन में भी खुशियों का उजाला पहुंचाना जरूरी है, जिन्हें सहयोग और संवेदना की सबसे अधिक आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में के.के. शर्मा ने अतिथियों, सदस्यों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कराटे में कोटा की बेटियों का दमखम, दो सगी बहनों ने राष्ट्रीय स्तर पर जीते रजत पदक

कराटे के दांव-पेच में बहनों ने मारी बाजी, राष्ट्रीय स्तर पर कोटा को दिलाया गौरव

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने कोटा को राष्ट्रीय स्तर पर किया गौरांवित — चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला

स्मार्ट हलचल

कोटा । खेल के मैदान में बेटियों की बढ़ती भागीदारी और उपलब्धियों की कड़ी में कोटा की दो सगी बहनों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, श्रीनाथपुरम-ए की छात्रा समीक्षा शर्मा और याना शर्मा ने राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किए। दोनों बहनों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार सहित शहर में हर्ष का माहौल है। समाज अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि समीक्षा और याना की उपलब्धि केवल विद्यालय ही नहीं, बल्कि पूरे कोटा शहर के लिए गर्व का विषय है। बेटियां आज शिक्षा, खेल, विज्ञान और अन्य सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य का परिचय दे रही हैं। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन,



आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और संघर्ष करने का जज्बा विकसित करते हैं। दोनों बहनों की सफलता इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर अभ्यास और परिवार एवं संस्थान के प्रोत्साहन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी उपलब्धि दूसरी छात्राओं को भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। प्राचार्या भक्ति निगम ने बताया कि विद्यालय की कक्षा 11वीं की छात्रा समीक्षा शर्मा और कक्षा छठी की छात्रा याना शर्मा ने 18 नवम्बर 2026 को दिल्ली स्मार्ट पब्लिक स्कूल, शाजापुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित सीबीएसई नेशनल लेवल गर्ल्स कराटे सिलेक्शन ट्रायल्स में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में दोनों बहनों ने बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए रजत पदक हासिल किए। राष्ट्रीय स्तर पर मिली इस सफलता ने उनकी नियमित मेहनत और कठिन अभ्यास को उपलब्धि में बदल दिया। विद्यालय के प्रशासक राजेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर दोनों छात्राओं का पदक जीतना विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों का परिणाम है। प्राचार्या भक्ति निगम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों बहनों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से विद्यालय को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

कत्थक से तनाव होगा दूर, एकाग्रता और शारीरिक लचीलेपन में होगा इजाफा

राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में कला, योग और स्वास्थ्य का संगम, कत्थक गुरु बरखा जोशी ने दी प्रस्तुति

स्मार्ट हलचल

कोटा। कत्थक केवल नृत्य की विधा नहीं, बल्कि तन को स्वस्थ और मन को शांत रखने का प्रभावी माध्यम भी है। इसमें व्यायाम, प्राणायाम, ध्यान और भावों का ऐसा समन्वय है, जो मानसिक तनाव कम करने के साथ एकाग्रता और शारीरिक लचीलेपन को बढ़ाता है। यह बात अंतरराष्ट्रीय कलाकार एवं कत्थक गुरु बरखा जोशी ने तलवंडी स्थित राजकीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में कही। प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद, मानसिक तनाव प्रबंधन और शारीरिक व्यायाम विषय पर आयोजित कार्यक्रम में कत्थक नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से कला और स्वास्थ्य के पारस्परिक संबंधों को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हृदयांशी माहेश्वरी एवं शिविषा व्यास की सरस्वती वंदना से हुआ।



इसके बाद भाविका खंडेलवाल और मायरा शर्मा ने कत्थक नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि युविष्का शर्मा एवं शिविषा व्यास की भाव नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को आकर्षित किया। प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा ने कहा कि कत्थक से शारीरिक व्यायाम के साथ मानसिक आरोग्यता और शांति भी प्राप्त होती है। आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में यह मन को स्थिर रखने और तनाव प्रबंधन का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद शरीर, मन और आत्मा तीनों के स्वास्थ्य पर जोर देता है। कत्थक भी इन तीनों के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक है। साथ ही यह हमारी सनातन संस्कृति, कथा, भक्ति और संस्कारों को जीवंत रखने वाली महत्वपूर्ण विधा है। इससे पूर्व प्रातःकालीन व्याख्यानमाला में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अंजलि मीणा ने स्त्री रोग विषय पर तथा डॉ. सोनम बोयल ने बाल रोग विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में कत्थक गुरु बरखा जोशी के साथ उनकी शिष्याओं का प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा, डॉ. ऋतुरा शर्मा एवं डॉ. सुधींद्र श्रृंगी ने उपरना, श्रीफल और प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. नित्यानंद शर्मा ने किया। आयोजन सचिव डॉ. ऋतुरा शर्मा ने संयोजन किया तथा अंत में डॉ. बृजराज मालव ने आभार व्यक्त किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बल्लभपुरा गांव में RO प्लांट के फिल्टर खराब होने से ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा, ग्रामीण हो रहे परेशान



स्मार्ट हलचल

सुल्तानपुर (कोटा): पंचायत समिति सुल्तानपुर के वार्ड 10 एवं ग्राम पंचायत भट्ठीपुरा के गांव बल्लभपुरा में पीने के पानी की समस्या से ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। गांव में RO प्लांट चल रहा है, लेकिन जो पानी RO के माध्यम से फिल्टर होकर शुद्ध होना चाहिए, वैसा पानी नहीं मिल रहा है। फिल्टर वाला साफ पानी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हर महीने 150 से 200 का रिचार्ज करवाते हैं, फिर भी रह का फिल्टर किया हुआ शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है। 1 साल से ज्यादा का समय हो चुका है, रह प्लांट की सही से सर्विस नहीं हुई है। अधिकारियों की तरफ से फाइल आगे भेज दी गई है, लेकिन अभी तक टेंडर नहीं हुए और न ही कोई समाधान हुआ है।

बल्लभपुरा निवासी इमरान खान ने बताया कि पीने के पानी से सभी ग्रामीण परेशान हो रहे हैं, जल्द पानी की समस्या का समाधान किया जाए। ग्रामीणों ने मांग की है कि RO प्लांट की तुरंत सर्विस करवाई जाए, फिल्टर बदले जाएं और गांव को RO का शुद्ध फिल्टर पानी उपलब्ध कराया जाए।

क्या बोले जिम्मेदार:

1. शिवानी (AEN, PHED): उक्त RO प्लांट के मेंटेनेंस के टेंडर 2025 में खत्म हो गए थे, और पुनः टेंडर लगवाने हेतु फाइल भेजी हुई है, जिसकी स्वीकृति आते ही RO प्लांट को पूरा नया करके चालू करवा दिया जाएगा।
2. हर्ष अग्रवाल (RO टेंडर कंपनी ठेकेदार): हमारा टेंडर खत्म हो चुका है, 1 साल के लगभग हो गया है। जब नया टेंडर होगा तब हम काम शुरू करेंगे।
3. **मोनिका मीणा (सुल्तानपुर** पंचायत समिति सदस्य प्रत्याशी, वार्ड 10): RO प्लांट के फिल्टर खराब होने की वजह से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, PHED के अधिकारियों को जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

भाजपा के गढ़ में निर्दलीय की दस्तक, 34 वोट से चूकीं चंदू पारीक

वार्ड-7 में भाजपा प्रत्याशी तीसरे पायदान पर, चंदू पारीक के प्रदर्शन ने चौंकाया सियासी गलियारों को

स्मार्ट हलचल । अनिल खीची

ब्यावर/बदनोर। नवगठित पंचायत समिति बदनोर के वार्ड संख्या-7 का चुनाव परिणाम क्षेत्र की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है। भाजपा के मजबूत गढ़ माने जाने वाले बदनोर में निर्दलीय प्रत्याशी चंदू पारीक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनीतिक दलों को कड़ी चुनौती दी। चंदू पारीक जीत से महज 34 मत दूर रह गईं और उपविजेता बनीं, जबकि भाजपा प्रत्याशी तीसरे स्थान पर रहे। चंदू पारीक पत्नी प्रहलाद कुमार पारीक लंबे समय से राजनीतिक एवं सहकारिता क्षेत्र में सक्रिय हैं। वर्तमान में वे क्रय-विक्रय सहकारी समिति आसींद-बदनोर में निदेशक पद पर कार्यरत हैं। वर्ष 2023 में भाजपा समर्थित



प्रत्याशी के रूप में निर्विरोध निदेशक निर्वाचित हुई थीं। इससे पूर्व वर्ष 2008 में भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र से भूमि विकास बैंक के चुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज कर निदेशक बनी थीं। भाजपा के सदस्यता अभियान में भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाते हुए महिलाओं और युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम किया। सहकारिता क्षेत्र में भी भाजपा समर्थित लोगों एवं महिलाओं को जोड़ने में उनकी सक्रियता रही है। उनका पूरा परिवार पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रहा है। इसके बावजूद पंचायत समिति चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरकर चंदू पारीक ने अपनी मजबूत चुनावी पकड़ का परिचय दिया। भाजपा के प्रभाव वाले वार्ड में उनका दूसरे स्थान पर रहना और पार्टी प्रत्याशी का तीसरे स्थान पर पहुंचना चुनाव परिणाम का सबसे चर्चित पहलू बन गया है। महज 34 मतों से मिली हार ने चंदू पारीक की राजनीतिक ताकत को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

अब एक ट्रैक पर राम-जानकी की नगरी

अयोध्या-जनकपुर के बीच सीधी ट्रेन 'सरयू-कमला एक्सप्रेस' शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। भगवान राम की नगरी अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच पहली ट्रेन आज से शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने हरी

मोदी-

बालेन ने दिखाई हरी झंडी, यूपी-बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी

झंडी दिखाकर सरयू कमला एक्सप्रेस को रवाना किया। यह ट्रेन यूपी और बिहार के 10 स्टेशनों पर रुकेगी। पहले दिन 1158 यात्री इसमें सवार हुए। आम यात्रियों के लिए यह ट्रेन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद



है। वाल्मीकि रामायण के मुताबिक, राजा दशरथ राम बारात लेकर जब मिथिला में जनकपुर पहुंचे थे तब उन्हें 4 दिन लगे थे। अब यही सफर लगभग 19 घंटे में पूरा होगा। अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम के बीच रेल मार्ग की कुल दूरी करीब 604 किलोमीटर होगी। ट्रेन करीब 19 घंटे में यह दूरी तय करेगी। ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग शहरों से गुजरते हुए नेपाल पहुंचेगी। सरयू कमला एक्सप्रेस के शुभारंभ के मौके पर पूरे अयोध्या रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा रही। स्टेशन के कोने-कोने में मौजूद पुलिसकर्मी लोगों की हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे। अयोध्या से जनकपुर के लिए ट्रेन कैंट रेलवे स्टेशन से रवाना होगी।

बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने खाया जहर, हालत गंभीर

● **कोलकाता में भर्ती, संदेशखाली आंदोलन से चर्चा में आईं**

बंगाल दौरे में पीएम मोदी ने कहा था-आप शक्ति स्वरूपा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की बीजेपी विधायक रेखा पात्रा ने जहर खा लिया है। दो दिनों से कोलकाता के निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। पार्टी के मुताबिक, रेखा पहले वेंटिलेटर पर थीं। सोमवार सुबह उन्हें वेंटिलेटर से हटाया गया है। हालांकि, उनके शरीर में जहर का असर बना हुआ है, जिसके कारण हार्ट रेट सामान्य से ज्यादा है। परिवार के मुताबिक, रेखा ने शनिवार रात हर्बल कीटनाशक खाया था। उनके पति संदीप पात्रा ने को बताया कि रेखा की स्थिति ठीक नहीं है। अभी कुछ कहना संभव नहीं है।' रेखा पात्रा 2024 में संदेशखाली आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थीं। 26 मार्च 2024 को पीएम मोदी ने रेखा से फोन पर बातचीत की थी।



तीन अस्पतालों में इलाज चला, शरीर में ट्यूब डाली गई

पार्टी के मुताबिक, शनिवार रात करीब 9 बजे हिंगलगंज स्थित घर पर रेखा की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया था। फिर बशीरहाट सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां भी करीब चार घंटे इलाज के बावजूद उनकी हालत में खास सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें कोलकाता रेफर किया गया। अस्पताल में जांच के दौरान उनका ब्लड प्रेशर और पल्स रेट 110 प्रति मिनट था। उन्हें हर मिनट 4 लीटर ऑक्सीजन दी जा रही थी। डॉक्टरों ने बताया था कि वह सुस्त थीं।

सीजेआई सूर्यकांत की न्यायिक अधिकारियों को बड़ी फटकार

कहा-हमें पता है दिन भर क्या करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को कुछ न्यायिक अधिकारियों के रवैये पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उनका कहना है कि ऐसे अधिकारी अपने अदालती कार्यों पर ध्यान देने के बजाए, सिर्फ अपने ही लाभ के बारे में सोचते रहते हैं और समय बिता देते हैं। जबकि, अदालतों के बाहर लोग कतारें लगाए खड़े रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कुछ न्यायिक अधिकारियों द्वारा अपनी सर्विस और रिटायरमेंट के बाद के लाभों से जुड़े विषयों पर बार-बार अदालतों का चक्कर काटने के बर्ताव के प्रति गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट को कुछ भी पता नहीं है।



सिर्फ अपने लिए सोचते रहते हैं अधिकारी

एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को लगता है कि जैसे सुप्रीम कोर्ट को पता ही नहीं है कि नीचे क्या चल रहा है। न्यायिक अधिकारी 24 घंटे सिर्फ अपने फायदे और रिटायरमेंट बेनिफिट के बारे में सोचते रहते हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने यह टिप्पणी ए जुबिया बनाम केरल हाई कोर्ट से जुड़े एक केस की सुनवाई के दौरान की है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने सुनवाई की।

पीएम मोदी बोले, 15 हजार करोड़ रुपए की मदद दी

नेपाल के बिना हमारे धाम और राम दोनों अधूरे

● *बालेन बोले-भारत से रिश्ते हिमालय की तरह मजबूत*

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नेपाल के साथ रिश्तों को और मजबूत करने के लिए 15 हजार करोड़ भारतीय रुपए की मदद का ऐलान किया।

बालेन शाह के भारत के पहले द्विपक्षीय दौरे को दोनों देशों की गहरी दोस्ती का प्रतीक बताते हुए मोदी ने साझा इतिहास, संस्कृति और आस्था का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भगवान राम और माता सीता भारत-नेपाल की साझा सभ्यता के प्रतीक हैं। 2018 में जनकपुर यात्रा को याद करते



हुए मोदी ने कहा कि नेपाल के बिना हमारे धाम अधूरे हैं और नेपाल के बिना हमारे राम भी अधूरे हैं।

भारत-नेपाल के बीच 200 किमी का चक्कर खत्म

भारत और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को अब करीब 200 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी और बालेन शाह ने दिल्ली से बटन दबाकर काली नदी पर बने छारछुम अंतरराष्ट्रीय मैत्री मोटर पुल का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह पुल उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला को नेपाल से जोड़ेगा।

नेपाल को कांडला-

पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच मिली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत नेपाल को गुजरात के कांडला और ओडिशा के पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देगा। इससे नेपाल का दूसरे देशों के साथ व्यापार आसान होगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ बेहतर व्यापार और निवेश से नेपाल की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच सड़क और सीमा संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और नेपाल के बीच धारचूला में सड़क पुल का उद्घाटन किया गया है। साथ ही बनबसा में एकीकृत जांच चौकी की आधारशिला रखी गई है।

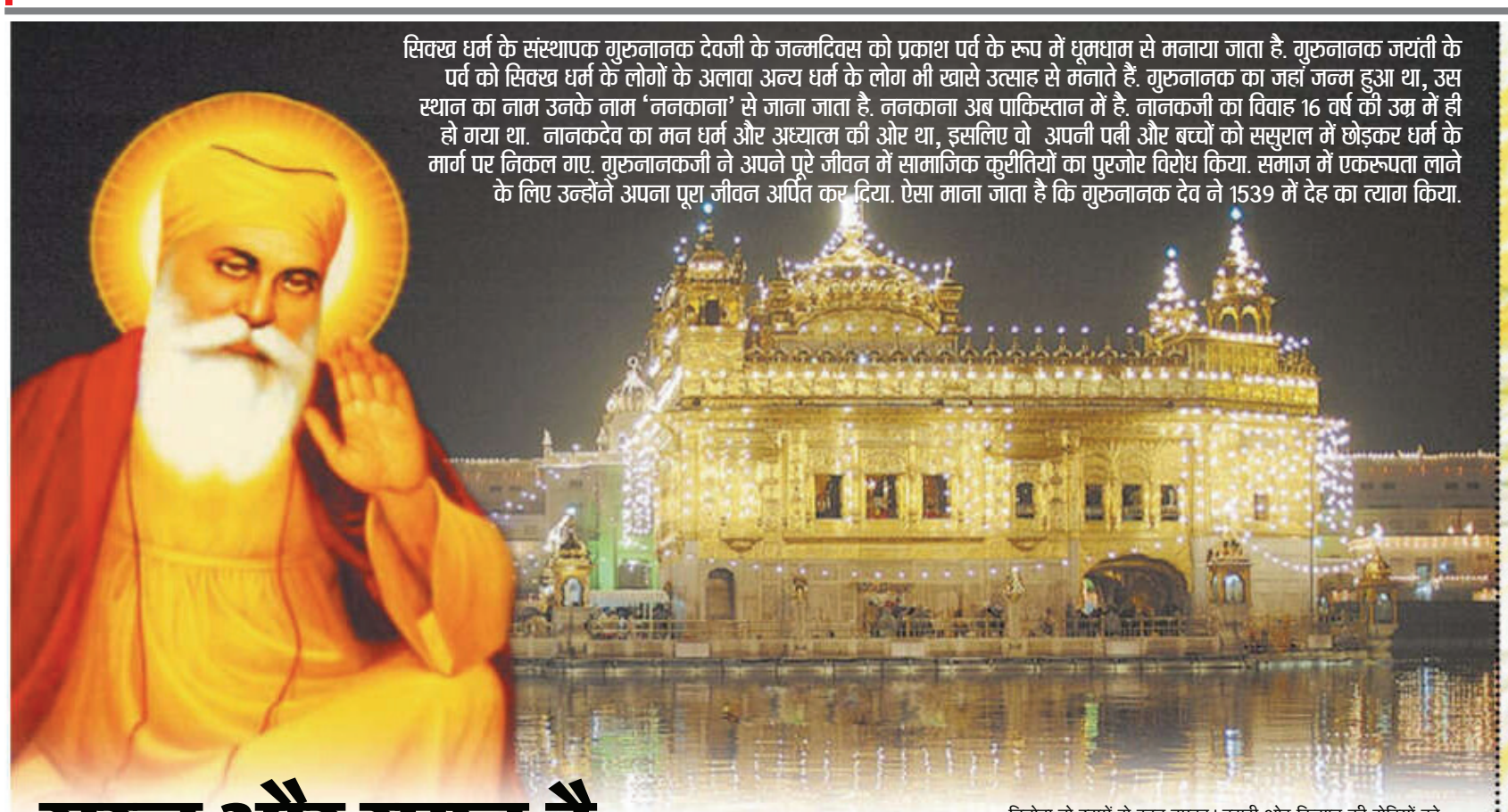

सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देवजी के जन्मदिवस को प्रकाश पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है. गुरुनानक जयंती के पर्व को सिक्ख धर्म के लोगों के अलावा अन्य धर्म के लोग भी खासे उत्साह से मनाते हैं. गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था, उस स्थान का नाम उनके नाम 'ननकाना' से जाना जाता है. ननकाना अब पाकिस्तान में है. नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में ही हो गया था. नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था, इसलिए वो अपनी पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए. गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया. समाज में एकरूपता लाने के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया. ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 में देह का त्याग किया.

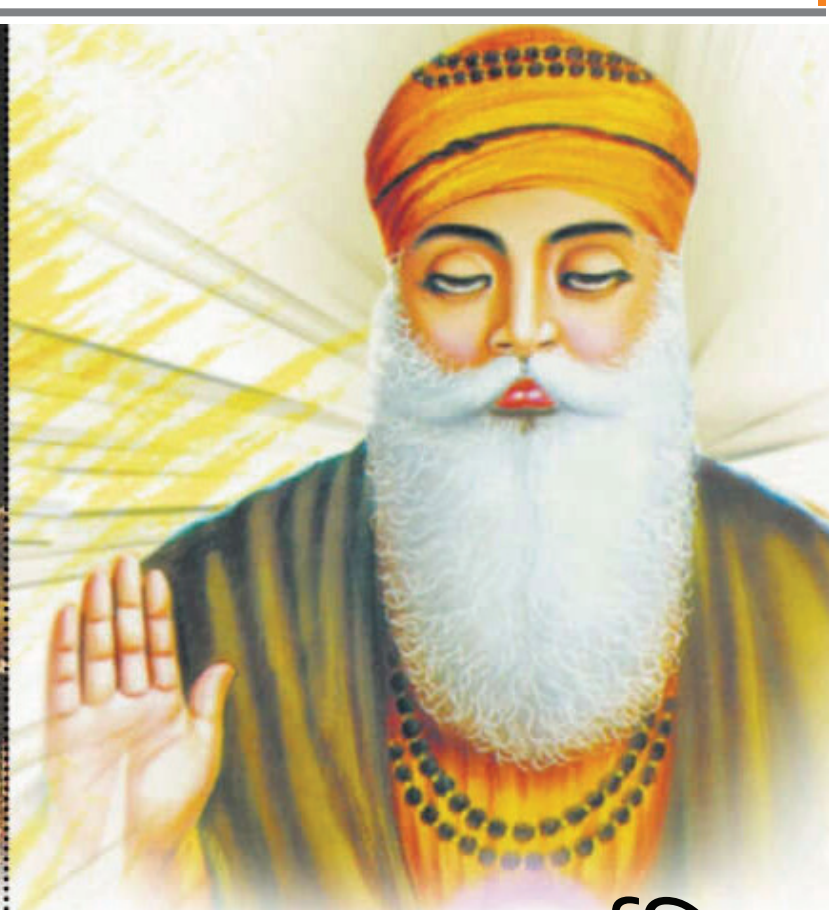

सरल और स्पष्ट है
गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व

गुरु नानक देवजी सिख धर्म के संस्थापक ही नहीं, अपितु मानव धर्म के उत्थापक थे। वे केवल किसी धर्म विशेष के गुरु नहीं अपितु संपूर्ण सृष्टि के जगद्गुरु थे। 'नानक शाह फकीर। हिन्दू का गुरु, मुसलमान का पीर। उनका जन्म पूर्व भारत की पावन धरती पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 को लाहौर से करीब 40 मील दूर स्थित तलवंडी नामक गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम कल्याणराय मेहता तथा माता का नाम तृपताजी था।

भाई गुरुदासजी लिखते हैं कि इस संसार के प्राणियों की त्राहि-त्राहि को सुनकर अकाल पुरख परमेश्वर ने इस धरती पर गुरु नानक को पहुंचाया, 'सुनी पुकार दातार प्रभु गुरु नानक जग महि पठाइया।' उनके इस धरती पर आने पर 'सतिगुरु नानक प्रगटिआ मिटी धुंधू जगि चानणु होआ' सत्य है, नानक का जन्मस्थल अलौकिक ज्योति से भर उठा था। उनके मस्तक के पास तेज आभा फैली हुई थी। पुरोहित पंडित हरदयाल ने जब उनके दर्शन किए उसी क्षण भविष्यवाणी कर दी थी कि यह बालक ईश्वर ज्योति का साक्षात अलौकिक स्वरूप है। बचपन से ही गुरु नानक का मन आध्यात्मिक ज्ञान एवं लोक कल्याण के चिंतन में डूबा रहता। बैठे-बैठे ध्यान मग्न हो जाते और कभी तो यह अवस्था समाधि तक भी पहुंच जाती। गुरु नानक देवजी का जीवन एवं धर्म दर्शन युगांतकारी लोकचिंतन दर्शन था। उन्होंने सांसारिक यथार्थ से नाता नहीं तोड़ा। वे संसार के त्याग संन्यास लेने के खिलाफ थे, क्योंकि वे सहज योग के हामी थे। उनका मत था कि मनुष्य संन्यास लेकर स्वयं का अथवा लोक कल्याण नहीं कर सकता, जितना कि स्वाभाविक एवं सहज जीवन में।

इसलिए उन्होंने गृहस्थ त्याग गुफाओं, जंगलों में बैठने से प्रभु प्राप्ति नहीं अपितु गृहस्थ में रहकर मानव सेवा करना श्रेष्ठ धर्म बताया। 'नाम जपना, किरत करना, वंड छकना' सफल गृहस्थ जीवन का मंत्र दिया। यही गुरु मंत्र सिख धर्म की मुख्य आधारशिला है। यानी अंतर आत्मा से ईश्वर का नाम जपो, ईमानदारी एवं परिश्रम से कर्म करो तथा अर्जित धन



से असहाय, दु:खी पीड़ित, जरूरततमंद इंसानों की सेवा करो।

गुरु उपदेश है, 'घाल खाये किछ हत्थो देह। नानक राह पछाने से।' इस प्रकार श्री गुरुनानक देवजी ने अन्न की शुद्धता, पवित्रता और सात्विकता पर जोर दिया। गुरु नानक देव एक मर्तबा एक गांव में पहुंचे तो उनके लिए दो घरों से भोजन का निमंत्रण आया। एक निमंत्रण गांव के धनाढ्य मुखिया का था, दूसरा निर्धन बढ़ई का था। नानक जी ने मुखिया के घी से बने मिष्ठान को ग्रहण न करके बढ़ई किसान की रूखी रोटियां को सप्रेम स्वीकार किया। इस पर मुखिया ने अपना अपमान समझा। गुरुजी ने मुखिया की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से रक्त टपका। दूसरी ओर किसान की रोटियों को निचोड़ा तो उसमें से निर्मल दूध की धारा फूट पड़ी।

गुरुनानक देवजी ने कहा कि मुखिया की कमाई, जो अनीति, अधर्म, अत्याचार, शोषण से प्राप्त की कमाई है जबकि काश्तकार ने यह अन्न ईमानदारी, मेहनत से प्राप्त किया है। इसमें लेशमात्र भी अनीति, अन्याय, शोषण, मलिनता नहीं है। कु-अन्न के प्रभाव से मन मलिन, प्रदूषित तथा विकारों से युक्त हो जाता है। ऐसा भोजन कितना भी स्वादिष्ट हो, वह ग्राह्य नहीं है। शुद्ध, सात्विक, नीति-धर्म का पालन करते हुए प्राप्त किया हो, वह आहार मानव मन को विकार रहित, निर्मल, पवित्र और सात्विक बनाता है। इसी प्रकार ईश्वरीभाव एवं भय के साथ पूरी ईमानदारी के साथ कर्म करने की बात भी गुरुजी ने कही।

गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है। गुरुनानक ने सभी धर्मों को श्रेष्ठ बताया। जरूरत है धर्म के सत्य ज्ञान को आत्मसात कर अपने व्यावहारिक जीवन में लाने की। गुरुजी ने धार्मिक एवं सामाजिक विषमताओं पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने वाणी में हिन्दू और मुसलमान दोनों के लिए एकात्मकता के बीज बोए। उनका मत था कि संपूर्ण सृष्टि का ईश्वर एक है। हम सब तो उसके बंदे हैं- 'एक पिता एकस के बारिक'। हमारा धर्म एक है। गुरुजी स्वयं एकेश्वर में पूर्ण विश्वास रखते थे। उनका दृष्टिकोण समन्वयवादी था।

वे कहते हैं- 'सबको ऊंचा आखिए/ नीच न दिसै कोई।' गुरुजी ने ऐसे मनुष्यों को प्रताड़ित किया है, जिनके मन में जातीय भेदभाव है और कहा कि वह मनुष्य नहीं, पशु के समान है- जीनके भीतर हैं अंतरा जैसे पशु तेसे वो नरा'। ऊंच-नीच के भेदभाव मिटाने के लिए गुरुजी ने कहा कि मैं स्वयं भी ऊंची जाति कहलाने वालों के साथ नहीं बल्कि मैं जिन्हें नीची जात कहा जाता है, उनके साथ हूँ। 'नीचा अंदरि नीच जाति, नीचिंहु अति नीचु/ नानक तिन के संग साथ, वडिया सिऊ किया रीस। गुरुनानक देवजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व जितना सरल, सीधा और स्पष्ट है, उसका अध्ययन और अनुसरण भी उतना ही व्यावहारिक है। गुरु नानक वाणी, जन्म साखियों, फारसी साहित्य एवं अन्य ग्रंथों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि गुरुनानक उदार प्रवृत्ति वाले स्वतंत्र और मौलिक चिंतक थे। एक सामान्य व्यक्ति और एक महान आध्यात्मिक चिंतक का एक अद्भुत मिश्रण गुरु नानकदेवजी के व्यक्तित्व में अनुभव किया जा सकता है। 'वे नबी भी थे और लोकनायक भी, वे साधक भी थे और उपदेशक भी, वे शायर एवं कवि भी थे और ढाढ़ी भी, वे गृहस्थी भी थे और पर्यटक भी।'

मानवता का संदेश देता है प्रकाश पर्व

कार्तिक मास की पूर्णिमा पर सिक्ख धर्मावलंबियों द्वारा प्रकाश पर्व मनाया जाता है। प्रकाश पर्व सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मान्यता के अनुसार गुरुनानक देव परिवार कृषि आदि कार्य से संबंधित था। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। नानकदेवजी बचपन से प्रखर बुद्धि थे। प्रारंभ से ही इनके चेहरे पर अद्भुत तेज दिखाई देता था। नानकजी का विवाह 16 वर्ष की उम्र में हुआ। इनके दो पुत्र हुए। चूंकि नानकदेव का मन धर्म और अध्यात्म की ओर था अत- वे पत्नी और बच्चों को ससुराल में छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल गए। गुरुनानकजी ने अपने पूरे जीवन में सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया। समाज में एकरूपता लाने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। इन्होंने यही संदेश दिया कि ईश्वर एक है और हमें उसी की आराधना करनी चाहिए। गुरुनानकजी ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं की। वे मानवीय और धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर रहे थे। ऐसा माना जाता है कि गुरुनानक देव ने 1539 देह का त्याग किया।

प्रकाश पर्व और नगर कीर्तन का महत्व



सिखों के पहले गुरु नानकदेवजी की जयंती देशभर में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवाभाव से प्रकाशित करना। सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानकदेवजी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पंज (पांच) प्यारे नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं। श्री गुरुग्रंथ साहिब को फूलों की पालकी से सजे वाहन पर सुशोभित करके कीर्तन विभिन्न जगहों से होता हुआ गुरुद्वारे पहुंचता है। प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में प्रभातफेरी निकाली जाती है जिसमें भारी संख्या में संगतें भाग लेती हैं। प्रभातफेरी के दौरान कीर्तनी जत्थे कीर्तन कर संगत को निहाल करते हैं। इस अवसर पर गुरुद्वारे के सेवादार संगत को गुरु नानकदेवजी के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कहते हैं कि श्री गुरु नानकदेव महाराज महान युगपुरुष थे। नानकदेवजी ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में समर्पित कर दिया। ऐसे महान युगपुरुष की आज के समय में बहुत जरूरत है। भगवान एक है। एक ही गुरु है और कोई नहीं। जहां गुरु जाते हैं, वह स्थान पवित्र हो जाता है। भगवान को याद करने, मेहनत से कमाई करने और उसके बाद बांट के खाने का संदेश दुनियाभर में देने वाले ऐसे ही गुरु को सिख समुदाय उनकी जयंती पर याद करता है। एक ओर जहां गुरुद्वारों में भव्य सजावट की जाती है, वहीं गुरु का प्रसाद लंगर भी बांटा जाता है। साथ ही गुरु नानकदेवजी पर आधारित पोस्टर जारी किए जाते हैं। अपनी परंपरानुसार प्रभातफेरी में शामिल स्त्री-पुरुष सफेद वस्त्र एवं केसरिया चुन्नी धारण कर गुरुवाणी का गायन करते हुए चलते हैं। > सभी जत्थों का जगह-जगह पर हार-फूल से स्वागत किया जाता है। शाम को दीवान सजाकर शबद कीर्तन का कार्यक्रम भी किया जाता है। यह पर्व समाज के हर व्यक्ति को साथ में रहने, खाने और मेहनत से कमाई करने का संदेश देता है। गुरु नानकदेवजी का प्रकाश पर्व सिख समुदाय का सबसे बड़ा पर्व है।

जब गुरु नानक के आगे झुका बगदाद के शासक का सिर

एक बार गुरु नानक बगदाद गए हुए थे। वहां का शासक बड़ा ही अत्याचारी था। वह जनता को कष्ट तो देता ही था, उनकी संपत्ति लूटकर अपने खजाने में जमा भी कर लिया करता था। उसे जब मालूम हुआ कि हिंदुस्तान से कोई साधु पुरुष आया है तो वह नानकजी से मिलने उनके पास पहुंचा। कुशल समाचार पूछने के उपरांत नानकजी ने उससे 100 पत्थर गिरवी रखने की विनती की।

शासक बोला, 'पत्थर गिरवी रखने में कोई आपत्ति नहीं है किंतु आप उन्हें ले कब जाएंगें?'

'आपके पूर्व ही मेरी मृत्यु होगी। मेरे मरणोपरांत, इस संसार में आपकी जीवन यात्रा समाप्त होने पर जब आप मुझसे मिलेंगे, तब इन पत्थरों को मुझे दे दीजिएगा,' नानक बोले।

'आप भी कैसी बातें करते हैं, महाराज। भला इन पत्थरों को लेकर मैं वहां कैसे जा सकता हूं?'

'तो फिर जनता को चूस-चूसकर आप जो अपने खजाने में नित्य वृद्धि किए जा रहे हैं, क्या वह सब यहीं छोडेंगे? उसे भी अपने साथ ले ही जाएंगे। बस साथ में मेरे इन पत्थरों को भी लेते आइएगा।'

इतना सुनते ही उस दुराचारी की आंखें खुल गईं। नानक के चरणों पर गिरकर उनसे क्षमा मांगने लगा।

नानक ने कहा, 'मुझसे क्षमा क्यों मांगते हो और मैं कौन होता हूं क्षमा करने वाला। वैसे भी तुमने मुझे को कोई कष्ट दिया नहीं कि तुम मुझसे क्षमा मांगो। अगर क्षमा मांगनी ही है तो अपने देश की जनता से मांगो जिसका तुमने खून चूसा है। तुम यदि समझ रहे हो कि तुमने गलत किया है तो वचन दो कि आज के बाद कभी अपनी प्रजा को कष्ट नहीं दोगे।'

शासक की समझ में सारी बात आ गई। उसने नानकजी को वचन दिया कि वह ऐसा ही करेगा। नानकजी ने उसे क्षमा कर दिया और वह शासक प्रजा को कष्ट न देने के वचन के साथ अपने महल की ओर चल दिया।



महान दार्शनिक गुरु नानक देव

गुरुनानक देव के चेहरे पर बाल्यकाल से ही अद्भुत तेज दिखाई देता था। उनका जन्म लाहौर के पास तलवंडी नामक गांव में कार्तिक पूर्णिमा के दिन हुआ। उनका परिवार कृषि करके आमदनी करते थे। गुरुनानक का जहां जन्म हुआ था वह स्थान आज उन्हीं के नाम पर अब ननकाना के नाम से जाना जाता है। ननकाना अब पाकिस्तान में है। बचपन से प्रखर बुद्धिवाले नानक देव सिख धर्म के संस्थापक हैं। वे उम्र के 16वें वर्ष में शादी होने के बाद अपनी पत्नी और दोनों पुत्रों को छोड़कर धर्म के मार्ग पर निकल पड़ें। बचपन से ही उनका मन धर्म और अध्यात्म में लगता था। कहा जाता है कि गुरुनानक देव ने एक ऐसे विकट समय में जन्म लिया जब भारत में कोई केंद्रीय संगठित शक्ति नहीं थी। विदेशी आक्रमणकारी भारत देश को लूटने में लगे थे। धर्म के नाम पर अंधविश्वास और कर्मकांड चारों तरफ फैले हुए थे। ऐसे समय में नानक एक महान दार्शनिक, विचारक साबित हुए। उन्होंने अपनी सुमधुर सरल वाणी से जनमानस के हृदय को जीत लिया। लोगों को बेहद सरल भाषा में समझाया सभी इंसान एक दूसरे के भाई है। ईश्वर सबके पिता है, फिर एक पिता की संतान होने के बावजूद हम ऊंच-नीच कैसे हो सकते है? इन्हीं सभी भ्रांतियों को दूर करने के लिए उन्होंने उपदेशों को अपने जीवन में अमल किया और चारों ओर धर्म का प्रचार कर स्वयं एक आदर्श बने। सामाजिक सद्भाव की मिसाल कायम की। ऊंच-नीच का भेदभाव मिटाने के लिए लंगर की परंपरा चलाई। जहां कथित अछूत और उच्च जाति के लोग एक साथ लंगर में बैठकर एक पंक्ति में भोजन करते थे। आज भी सभी गुरुद्वारों में यही लंगर परंपरा कायम है। लंगर में बिना किसी भेदभाव के संगत सेवा करती है। गुरु नानक देव ने भारत सहित अनेक देशों की यात्राएं कर धार्मिक एकता के उपदेशों और शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार कर दुनिया को जीवन का नया मार्ग बताया। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर गुरु नानक जयंती मनाई जाती है।

कार्तिक पूर्णिमा को किए दान का मिलता है अक्षय फल



एक वर्ष पंद्रह पूर्णिमाएं होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है, तो 16 पूर्णिमा मनाई जाती हैं। इस महीने की चार तारीख यानी चार नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म के लिए ही नहीं, सिखों के लिए भी कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व है। इसे त्रिपुरी पूर्णिमा, महाकार्तिकी या गंगा स्नान के नाम से भी जाना जाता है। सृष्टि के आरंभ से ही कार्तिक पूर्णिमा की तिथि खास रही है। स्कंद पुराण, नारद पुराण पद्म पुराण आदि में इस दिन स्नान,व्रत व तप की दृष्टि से मोक्ष प्रदान करने वाला बताया गया है। इसका महत्व सिर्फ वैष्णव भक्तों के लिए ही नहीं शैव भक्तों और सिख धर्म के लिए भी अधिक है।

वैष्णव भक्तों के लिए इसलिए है खास

विष्णु के भक्तों के लिए यह दिन इसलिए खास है क्योंकि भगवान विष्णु का पहला अवतार इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार में भगवान विष्णु मत्स्य यानी मछली के रूप में थे। भगवान को यह अवतार वेदों की रक्षा,प्रलय के अंत तक सप्तऋषियों,अनाजों एवं राजा सत्यव्रत की रक्षा के लिए लेना पड़ा था। इससे सृष्टि का निर्माण कार्य फिर से आसान हुआ।

इस दिन शिव बने थे त्रिपुरारी

शिव भक्तों के अनुसार इसी दिन भगवान भोलेनाथ ने त्रिपुरासुर नामक महाभयानक असुर का संहार कर दिया जिससे वह त्रिपुरारी के रूप में पूजित हुए। इससे देवगण बहुत प्रसन्न हुए और भगवान विष्णु ने शिव जी को त्रिपुरारी नाम दिया जो शिव के अनेक नामों में से एक है। इसलिए इसे 'त्रिपुरी पूर्णिमा' भी कहते हैं। मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा जब आकाश में उदित हो रहा हो उस समय शिवा, संभूति, संतति, प्रीति, अनुसूया और क्षमा इन छह कृतिकाओं का पूजन करने से शिव जी की कृपा बनी रहती है।

सिखों के लिए इस दिन का महत्व

कार्तिक पूर्णिमा के दिन को प्रकाशोत्सव के रूप में मनाया जाता है। क्योंकि इसी दिन सिख सम्प्रदाय के संस्थापक गुरु नानक देव का जन्म हुआ था। इस दिन सिख सम्प्रदाय के अनुयाई सुबह स्नान कर गुरुद्वारों में जाकर गुरुवाणी सुनते हैं और नानक जी के बताए रास्ते पर चलने की सौगंध लेते हैं। इसे गुरु पर्व भी कहा जाता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com